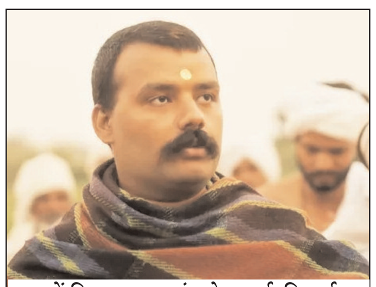

31वें दिन हनुमान अंश ने लगाई 'मिजार्पुर द मूवी' की 'लंका', 'नीम करोली बाबा' की कृपा से की छप्परफाड़ कमाई

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 29
न्यूनतम - 26

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 248 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 07 सितम्बर 2026 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 26 विक्रमी सम्वत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

अकेले नदी साफ करने वाले बिट्टू को नीदरलैंड से जॉब-ऑफर

डच सीईओ बोले-हमारे साथ काम करो ; इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकेले नदी साफ करने वाले मध्य प्रदेश के 20 साल के सुरेंद्र सिंह चौधरी 'बिट्टू तबाही' को नीदरलैंड की संस्था 'द ओशन क्लीनअप' ने नौकरी का ऑफर दिया है। संस्था के फाउंडर और सीईओ बॉयन स्लैट ने बिट्टू की मेहनत से प्रभावित होकर लिखा- हमारे साथ काम करो। द ओशन क्लीनअप' कंपनी समुद्रों और नदियों से प्लास्टिक कचरा हटाने का काम करती है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी बिट्टू की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है,

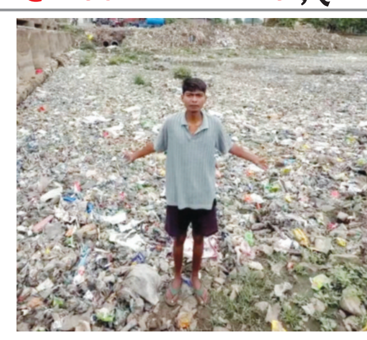

जब कोई व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहल करता है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से निकलने वाली अजनार नदी का पानी पीने और सिंचाई के काम आता था, लेकिन बढ़ते प्रदूषण से यह गंदे नाले में बदल गई।

26 जनवरी को लिया था सफाई का संकल्प

बिट्टू ने इस साल 26 जनवरी को अजनार नदी को उसका पुराना और स्वच्छ रूप लौटाने का संकल्प लिया। शुरुआत में कुछ दोस्त भी उनके साथ आए, लेकिन मुश्किल और थकाऊ काम के कारण वे धीरे-धीरे पीछे हट गए। इसके बाद बिट्टू ने अकेले ही सफाई जारी रखी। वह रोज सुबह नदी में उतरते और घंटों पानी में रहकर हाथों से कचरा निकालते रहे। करीब तीन महीने की मेहनत के बाद नदी की तस्वीर बदल गई।

मां-पिता से कहकर निकलते- क्रिकेट खेलने जा रहे हैं

बिट्टू और कृष्णा कहते हैं कि वो दो ढाई महीने से नदी की सफाई के रील सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अपलोड कर रहे हैं। माता-पिता सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करते। उन्हें कभी ये पता नहीं लगा कि वे क्या करते हैं। हम तो घर से यही कहकर निकलते हैं कि हम क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। हां, कुछ दिनों से जब से महिंद्रा जी ने हमारे काम की सोशल मीडिया पर तारीफ की, तब से कई लोग हमसे अच्छे से बात करते हैं। कलेक्टर ने भी हमें बुलाकर सम्मान किया। विधायक ने भी हमें बुलाया है। प्रशासन भी अब इन घाटों पर जेसीबी से कचरा हटवाने में जुट गया है।

एमपी में 'मौत' की शराब

● सागर में 11 लोगों की लील गई जिंदगी ● बीमारों के शरीर नीले पड़े ● कलेक्टर ने की 10 लोगों के मरने की पुष्टि

सागर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के

मुताबिक, मामला बंडा थाना क्षेत्र के नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है।

● **कलेक्टर बोलीं- जहरीली शराब पीकर बीमार पड़े-** कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सा दल सभी मामलों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। स्थिति के अनुसार जरूरी मेडिकल और प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। मृतकों में चार गांवों के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और शराब के सेवन से हुई मौतों के कारणों को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मिथाइल अल्कोहल के सेवन से मौत की आशंका

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे। उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। मौतों के बाद प्रशासन ऐक्शन में है। सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी प्रभावित गांवों में पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। क्षेत्र की 6 शराब दुकानों को एहतियातन सील कर सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम बोले- इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को मौके पर तुरंत जांच के निर्देश दिए हैं। इस मामले में कठोर कार्रवाई करेंगे। इस तरह की घटनाओं को हमारी सरकार बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेगी। डिप्टी

सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सागर जिले के बंडा पहुंच गए हैं। उन्होंने जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान वे परिजन से घटना की जानकारी भी ली।

दुर्गापूजा में कोलकाता के आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

3000 ड्रोन से झलकेगी बंगाल की संस्कृति

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार दुर्गापूजा को वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। आगामी 10 अक्टूबर को महालया से 19 अक्टूबर को अष्टमी तक विभिन्न आयोजनों के जरिए बंगाल की दुर्गापूजा, लोक परंपराओं, कला, संगीत, खान-पान और हस्तशिल्प को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की योजना है। राज्य सरकार आगामी सोमवार को समस्त संबंधित पक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेगी। राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार दुर्गापूजा के दौरान कोलकाता के

आसमान में करीब 3,000 ड्रोन की रोशनी से देवी दुर्गा की छवि और बंगाल की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न दृश्य उकेरे जाएंगे। महालया के दिन ईडन गार्डेंस स्टेडियम में भव्य सांस्कृतिक आयोजन से उत्सव की शुरुआत होगी।

इसमें पारंपरिक महिषासुरमर्दिनी की प्रस्तुति के साथ बंगाल की लोक एवं शास्त्रीय संगीत परंपरा प्रदर्शित की जाएगी। दुर्गापूजा में विशेष महत्व रखने वाले ढाक (विशेष वाद्य यंत्र) को बजाने का विश्व रिकार्ड बनाने का भी प्रयास किया जाएगा। अष्टमी पर पारंपरिक धुनुची नृत्य होगा। पूजा के दो अन्य दिनों में भी विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, दो नदियों का रास्ता बंद

● पानी एक जगह हुआ जमा, यूपी में कई घाट डूबे ● सड़क पर चिताएं जलीं, एमपी में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम के नगा फॉरेस्ट इलाके में नगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकट्ठा होने लगा। वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं। उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं।

योगी ने चित्रकूट में बाढ़ का हवाई सर्वे किया

सीएम योगी ने रविवार को चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। करीब 800 प्रभावित परिवारों को 50-50 किलो की राहत किट बांटीं। इससे पहले, शनिवार को योगी ने वाराणसी में बाढ़ की स्थिति का हवाई सर्वे किया था। उधर, प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। रविवार सुबह से गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और संभल समेत 15 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। श्रावस्ती में भारी बारिश के कारण बाइपास का करीब 400 मीटर हिस्सा जलमग्न हो गया। बिजनौर में सड़कें और गलियां तालाब बन गईं।

मणिपुर में सेना और असम राइफल्स का संयुक्त ऑपरेशन

सुरक्षाबलों का बड़ा ऐक्शन, मुठभेड़ में 2 उग्रवादी ढेर, 2 घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सेना और असम राइफल्स के एक संयुक्त ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ के दौरान यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के दो उग्रवादी मारे गए और दो अन्य उग्रवादी घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने मौके से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और कॉम्बैट यूनिफॉर्म बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया

जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने 29 अगस्त की रात हेंगलेप सब-डिविजन के फाइबोंग गांव में एक ऑपरेशन शुरू किया। सुरक्षाबलों ने एक कैंप पर नजर रखी और 2 सितंबर की सुबह 5 बजे रणनीतिक रूप से कैंप के करीब पहुंचना शुरू किया। इस दौरान कैंप के सदस्यों ने सुबह करीब 5.30 बजे अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सैनिकों ने नियंत्रित गोलीबारी की।

ढहाई मस्जिद के नीचे मिला कुआं

सहारनपुर की घटना, कितना पुराना, जांचने के लिए एएसआई टीम को बुलाया

मंत्री राजभर ने अखिलेश से पूछा-क्या वहां फातिहा पढ़ेंगे

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे कुआं मिला है। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। कुआं स्लैब (पत्थर) से ढंका था। प्रशासन ने कटर से पत्थर कटवाया तो कुआं दिखाई दिया। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है। इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने एएसआई को बुलाया है।

मौके पर भारी फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया-यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मस्जिद को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- हम यह लड़ाई सदन, कोर्ट और सड़क पर लड़ेंगे। मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई। वहीं, मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक्स पर लिखा- अखिलेशजी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे। यूपी पूछ रहा है, बताइए न।

16 घंटे में ढहाई की मस्जिद, 200 जवान तैनात रहे

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को करीब 16 घंटे चली बुलडोजर कार्रवाई के बाद पूरी तरह ढहा दिया गया। निवार तड़के 4 बजे शुरू हुई कार्रवाई रात करीब 8 बजे तक चली। इस दौरान 200 पुलिस और पीएसी जवान तैनात रहे। इसके बाद रातभर मलबा हटाने का काम चला, जो सुबह तक पूरा कर लिया गया। कलेक्ट्रेट की मस्जिद अब जमींदोज हो चुकी है, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ है। मस्जिद पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता बाबर वसीम ने बताया कि इस संबंध में मस्जिद पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में रिट दाखिल की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गोवा दौरे पर अमित शाह, बीजेपी की पोस्ट पर घमासान

कांग्रेस ने पूछा क्या राष्ट्रीय प्रतीक से बड़े हैं पीएम मोदी

पणजी (एजेंसी)। गुजरात के साथ अगले साल गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गोवा के दौरे में हैं। गृह मंत्री अमित शाह के गोवा पहुंचने के साथ ही बीजेपी गोवा की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कांग्रेस हमलावर हो गई है। गोवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछा है कि गृह मंत्री अमित शाह जी आप आज गोवा के दौरे पर हैं। क्या

आपकी बीजेपी भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का इसी तरह सम्मान करती है। इस मुद्दे पर पवन खेड़ा ने कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने भारत का राष्ट्रीय प्रतीक मोदी के नीचे रखा गया है। कोई भी व्यक्ति हमारे गणतंत्र के प्रतीकों से ऊपर नहीं है। बीजेपी गोवा को सफाई देनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। इस मुद्दे पर गोवा बीजेपी ने पलटवार करते हुए लिखा है कि डियर 'नॉन दिमागी नक्सल्स' राष्ट्रीय प्रतीक किसी के पैरों के नीचे नहीं है। यह उस भारत की नींव को दर्शाता है जिसे मोदी जी नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। आपके लिए हर चीज प्रोपेगैंडा का जरिया है। उनके लिए भारत एक जिम्मेदारी है जिसे वे अपने कंधों पर उठाए हुए हैं।

मुझे डर लग रहा है कुछ हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा

नीशू आजाद के घर रात में पथराव स्वतंत्र भारद्वाज पर लगाया आरोप

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में शनिवार रात यूट्यूबर और कॉकरोच जनता पार्टी की कार्यकर्ता नीशू आजाद के घर पर पथराव किए जाने का आरोप सामने आया है। नीशू आजाद का आरोप है कि रात करीब 11 बजे कुछ लोगों ने उनके घर की ओर पत्थर फेंके। इस दौरान कई पत्थर घर की

बालकनी और किचन तक जा पहुंचे। घटना के बाद परिवार के लोग डर गए। नीशू आजाद ने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज और उसके सर्मथकों पर आरोप लगाया है। नीशू आजाद ने घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट कर अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता समेत पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग की है। **रात में घर के बाहर हलचल का लगाया आरोप-** नीशू आजाद के मुताबिक, शनिवार रात घर के बाहर कुछ ऐसी आवाजें सुनाई दे रही थीं, जिससे परिवार के लोग घबरा गए। उनका आरोप है कि घर के नीचे कुछ लोग मौजूद थे और बाहर से पत्थर फेंके गए। नीशू ने वीडियो में घर की बालकनी दिखाई है।

अनमोल वचन

हमारी प्रगति में सबसे बड़ी बाधा हमारे भीतर उपजी दूसरों के प्रति ईर्ष्या और व्यर्थ का अहंकार है। सर्वप्रथम हमें इन दोनों से ही बचना चाहिए। हमें दूसरों को प्रिय होने के लिए अपने और अपनों के द्वारा की गई गलतियों से बचना होगा। सभी को दूसरों की इच्छाओं का सम्मान भी करना होगा। यही आज के समृद्धिशाली समाज की आवश्यकता और स्वयं की सुख-शांति का आधार है। कौन क्या कहता है और कौन क्या करता है, महत्व इस बात का नहीं; महत्व तो इस बात का है कि हम क्या कहते हैं और क्या करते हैं? यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने उत्तरदायित्वों का पालन ईमानदारी से करने लगे, तो किसी को भी न कोई कष्ट हो और न कोई शिकायत रहे। आपसी कटुता का एक मुख्य कारण हमारे अपने कर्तव्यों के प्रति शिथिलता तथा गैर-जिम्मेदाराना (अनुत्तरदायित्वपूर्ण) व्यवहार ही है, जिसे हमें बदलना होगा। राष्ट्र और समाज की प्रगति के प्रति निष्ठापूर्वक समर्पण ही हम सबका पवित्र कर्तव्य है, जिसका निर्वहन हमें करना ही चाहिए।

शिक्षक सम्मान और मानवता की सेवा का संदेश लेकर लगा 100वां विशाल रक्तदान शिविर

शिक्षक दिवस पर अमूल्य जीवन सेवा ट्रस्ट और समाजवादी पार्टी का संयुक्त आयोजन, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र के सेठपुरा स्थित मदर लैंड पब्लिक स्कूल में अमूल्य जीवन सेवा ट्रस्ट एवं समाजवादी पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में 100वें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से जहां जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया गया, वहीं शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों के सम्मान को भी कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा बनाया गया। कार्यक्रम की थीम ॖशिक्षकों का सम्मान, मानवता के नाम रक्तदानॗ रखी गई। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, शिक्षक एवं क्षेत्र के लोग शामिल हुए और रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया।

सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

रक्तदान शिविर का शुभारंभ समाजवादी पार्टी की मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष जिया चौधरी ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान को मानवता की सबसे महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक बताते हुए लोगों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी दुर्घटना में घायल, गंभीर बीमारी से जूझ रहे या ऑपरेशन की जरूरत वाले मरीज के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। नगर अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद के आयोजन में जुटे कार्यकर्ता

कार्यक्रम का आयोजन पुरकाजी नगर अध्यक्ष मो. इफ्तिखार उर्फ लल्ला

एवं सभासद इफ्तिखार अहमद के नेतृत्व में किया गया। शिविर में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।कार्यक्रम में गुरलाल सिंह, विधानसभा उपाध्यक्ष, सपा के पूर्व प्रदेश सचिव युवजन सभा अरशद मलिक सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन में क्षेत्र के लोगों ने भी भाग लिया और रक्तदान के महत्व को समझते हुए इस सामाजिक अभियान में सहयोग किया।

शिक्षक सम्मान के साथ पीडीए विचारधारा का संदेश

शिविर को शिक्षक सम्मान एवं समाजवादी पीडीए विचारधारा महाअभियान से भी जोड़ा गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करते हुए समाज निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देने का काम नहीं करते, बल्कि समाज की नई पीढ़ी को संस्कार, ज्ञान और जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। इसलिए शिक्षक दिवस पर रक्तदान जैसे सामाजिक सेवा के कार्य के साथ शिक्षकों का सम्मान करना समाज के प्रति सकारात्मक संदेश है।

100वें शिविर को लेकर कार्यकताओं में दिखा उत्साह

आयोजकों के अनुसार यह 100वां विशाल रक्तदान शिविर है। इस अवसर पर कार्यकताओं और आयोजकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। शिविर के माध्यम से रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। आयोजकों ने कहा कि रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है और ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले लोगों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसी भावना के साथ लगातार रक्तदान शिविर आयोजित कर लोगों को इस नेक कार्य से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। समाजसेवा को राजनीति से ऊपर रखने का संदेश

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाजसेवा का उद्देश्य किसी एक व्यक्ति या संगठन तक सीमित नहीं होना चाहिए। रक्तदान ऐसा कार्य है जिसमें किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए। शिक्षक सम्मान और रक्तदान शिविर के संयुक्त आयोजन से आयोजकों ने शिक्षा, सम्मान और मानव सेवा को एक साथ जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भविष्य

भोपा में कूरियर ऑफिस से लाखों की चोरी: तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, ग्रामीणों में भारी रोष

गुरुवार की रात चोरों ने शटर तोड़कर कीमती पार्सल, नकदी तथा लैपटॉप आदि लाखों की चोरी की थी

मोरना (मुजफ्फरनगर): भोपा-मुजफ्फरनगर मार्ग पर स्थित सूर्यवंशम पैलेस के पास एक कूरियर ऑफिस में हुई दुस्साहसिक चोरी के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी भोपा थाना पुलिस के हाथ पूरी तरह खाली हैं, जिससे पीड़ित कूरियर संचालक और स्थानीय ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव कादीपुर निवासी विश्वेंद्र कुमार, कादीपुर के पूर्व प्रधान ऋषिराज की दुकान में वोल्मो फ्रेंचाइजी (मीशो) कूरियर का संचालन करते हैं। बीते गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने ऑफिस का शटर तोड़कर जमकर उत्पात मचाया और करीब 60 हजार रुपये मूल्य के पार्सल, 11 हजार रुपये की नकदी तथा एक थर्मल प्रिंटर चोरी कर फरार हो गए। चोरी की वारदात को अंजाम देने के साथ-साथ चोरों ने पहचान छिपाने की नीयत से ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ की। चोरों ने अंदर रखे लैपटॉप और सीसीटीवी कैमरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से आरोपी जाते-जाते सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ उखाड़ ले गए। भोपा पुलिस ने मौके का मुआयना कर जांच-पड़ताल शुरू की। इसके बाद पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

तीन दिन बाद भी सुराग नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश

मुकदमा दर्ज होने और तीन दिन का समय बीत जाने के बावजूद पुलिस को अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस क्षेत्र में लगे अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने का दावा कर रही है, लेकिन कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस न तो वारदातों को रोकने में सफल हो पा रही है और न ही उनका खुलासा कर पा रही है। ग्रामीणों ने भोपा पुलिस से जल्द से जल्द मामले का पदार्फाश कर चोरी हुआ माल बरामद करने की मांग की है।

विधानसभा चुनाव को लेकर सपा ने कसी कमर, मुजफ्फरनगर में गरजे सपा नेता

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। संगठन को मजबूत करने और विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से सपा के वरिष्ठ नेता लगातार जनसंपर्क अभियान में जुटे हैं। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव विनोद सविता मुजफ्फरनगर पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के साथ-साथ सैन समाज के लोगों से संवाद किया और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति एवं नीतियों पर चर्चा की।मुजफ्फरनगर पहुंचने पर सपा प्रदेश सचिव विनोद सविता का सपा कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, महिला सभा जिलाध्यक्ष पूजा अंबेडकर समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान को गति देने और समाज के विभिन्न वर्गों को पार्टी से जोड़ने को लेकर मंथन किया गया। महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना

कार्यक्रम के दौरान सपा नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी आम जनता के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है। युवाओं को रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और किसानों की समस्याओं को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए गए। सपा नेताओं ने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विवादों का जिक्र करते हुए नेताओं ने सरकार से युवाओं के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की। इसके साथ ही एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता, मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों से संबंधित सरकार के दावों पर भी सपा नेताओं ने सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति जनता के सामने स्पष्ट होनी चाहिए और सरकार को अपने दावों के साथ जमीनी स्तर पर भी जवाबदेही तय करनी चाहिए।

जौली गांव में संदिग्ध चीनी के स्टॉक पर पुलिस का छापा: 180 बोरे बरामदगी से मचा हड़कंप, ग्राम प्रधान की सुपुर्दगी में सौंपा पूरा माल

विभागीय जांच के लिए खाद्य विपणन विभाग को दी गई सूचना

मोरना। भोपा थाना अंतर्गत जौली गांव में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस और प्रशासन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में रखी चीनी का स्टॉक बरामद किया। तीन कथित गोदामों से लगभग 180 कट्टे (बोरे) चीनी मिलने के बाद स्थानीय दुकानदारों और कालाबाजारी करने वालों में हड़कंप का माहौल व्याप्त है। फिलहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे स्टॉक को ग्राम प्रधान की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है।

गुप्त सूचना पर भोपा पुलिस ने दी दबिश

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को भोपा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जौली गांव में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से चीनी का भंडारण करके रखा गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर संदिग्ध स्थलों की घेराबंदी की। प्राथमिक जांच में सूचना सही पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने

तत्काल इसकी जानकारी तहसील प्रशासन को दी।

तीन गोदामों से मिले 180 कट्टे

सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार बृजेश कुमार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुँची और पूरे मामले की बारीकी से जांच-पड़ताल शुरू की। सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ने गांव के ही ताजिम, सलीम और अन्नान के कथित गोदामों की तलाशी ली। इस दौरान तीनों स्थानों से कुल मिलाकर लगभग 180 बोरे चीनी बरामद हुई। अचानक हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई से गांव में खलबली मच गई।

खाद्य विपणन विभाग को दी गई रिपोर्ट

नायब तहसीलदार बृजेश कुमार ने बताया कि मौके से लगभग 180 बोरे चीनी पाई गई है। मामला खाद्य सामग्री के बड़े पैमाने पर भंडारण से जुड़ा होने के कारण इसकी जानकारी खाद्य विपणन अधिकारी को दे दी गई है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने तक सुरक्षा के दृष्टि से इस पूरे स्टॉक को ग्राम प्रधान/प्रशासक की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

सोमवार को विभागीय जांच के बाद साफ होगी स्थिति

सपा प्रतिनिधिमंडल के सहारनपुर कूच से पहले नेताओं पर पुलिस की निगरानी

सांसद हरेंद्र मलिक के आवास पर पहरा तो जिलाध्यक्ष जिया चौधरी के साथ भी नजर आए पुलिसकर्मी—बोले सपा नेता, कार्रवाई हो तो न्यायिक प्रक्रिया के तहत

मुजफ्फरनगर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद गिराए जाने के मामले को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत लगातार गरमाती जा रही है। समाजवादी पार्टी द्वारा इस मामले को लेकर सहारनपुर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित पक्ष से मुलाकात करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने की तैयारी के बीच मुजफ्फरनगर में भी पुलिस प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई। रविवार को सपा के प्रमुख नेताओं और पदाधिकारियों की गतिविधियों पर पुलिस की निगरानी दिखाई दी। सपा सांसद हरेंद्र मलिक के आवास पर पुलिस का पहरा लगाए जाने के साथ ही सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी के साथ भी पुलिसकर्मियों की मौजूदगी नजर आई। नेताओं के साथ पुलिस की मौजूदगी को लेकर सपा कार्यकताओं में चर्चा तेज हो गई। पार्टी की ओर से इसे सहारनपुर जाने वाले प्रतिनिधिमंडल को रोकने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। रविवार को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर जाने की तैयारी में था। प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम को देखते हुए मुजफ्फरनगर पुलिस ने पार्टी के प्रमुख नेताओं और पदाधिकारियों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी। जिले में कई सपा नेताओं के आवासों के आसपास पुलिस की मौजूदगी देखे जाने की जानकारी सामने आई। इसी क्रम में सांसद हरेंद्र मलिक के आवास पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रही। वहीं सपा

जिलाध्यक्ष जिया चौधरी के साथ भी पुलिसकर्मी नजर आए, जिसके बाद पार्टी कार्यकताओं के बीच इसको लेकर चचाएं तेज हो गईं। सपा नेताओं का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य सहारनपुर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी लेना और प्रभावित लोगों से मुलाकात करना था। रविवार अपराह्न करीब 4 बजे सपा सांसद हरेंद्र मलिक ने मीडिया से बातचीत करते हुए सहारनपुर प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कार्रवाई को निंदनीय बताते हुए कहा कि किसी भी मामले में कार्रवाई से पहले न्यायिक प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। हरेंद्र मलिक ने कहा कि यदि किसी मामले में पूरी न्यायिक प्रक्रिया अपनाने के बाद स्पष्ट आदेश आता है तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। लेकिन कार्रवाई से पहले संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना और कानूनी प्रक्रिया का पालन होना बेहद जरूरी है।

फ्लेक्स होर्डिंग हटाने पर गरमाया जानसठ नगर पंचायत का माहौल, सभासदों ने सौंपे इस्तीफे

बोर्ड से प्रस्तावित होर्डिंग हटाए जाने से नाराज सभासदों का बड़ा कदम, अध्यक्ष डॉ. आबिद हुसैन को जिलाधिकारी के नाम सौंपे त्यागपत्र

मुजफ्फरनगर। जानसठ नगर पंचायत क्षेत्र में बोर्ड से प्रस्तावित फ्लेक्स होर्डिंग हटाए जाने को लेकर विवाद अब गहराता जा रहा है। होर्डिंग हटाने की कार्रवाई से नाराज नगर पंचायत के अधिकांश निर्वाचित सभासदों ने सामूहिक रूप से जिलाधिकारी के नाम अपने इस्तीफे नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. आबिद हुसैन को सौंप दिए। सभासदों ने कार्रवाई पर कड़ा रोष जताते हुए कहा कि यदि नगर पंचायत बोर्ड द्वारा विधिवत प्रस्तावित कार्य ही धरातल पर नहीं उतर सकते तो फिर सभासद के रूप में कार्य करने का औचित्य क्या रह जाता है। सभासदों का दावा है कि नगर पंचायत के करीब 99 प्रतिशत सभासदों ने इस्तीफा सौंपा है। इस सामूहिक कदम के बाद नगर पंचायत की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और अब सभी की नजर प्रशासनिक स्तर पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी है।

नामित सदस्य की शिकायत के बाद हटाए गए थे होर्डिंग

बताया गया कि नगर पंचायत बोर्ड द्वारा प्रस्तावित किए गए फ्लेक्स होर्डिंग लगाए गए थे। बाद में एक नामित सदस्य की शिकायत के बाद इन होर्डिंग को हटाने की कार्रवाई की गई। होर्डिंग हटाए जाने को लेकर नगर पंचायत सभासदों में नाराजगी फैल गई।इसी मुद्दे को लेकर सभासदों की बैठक हुई, जिसमें सदस्यों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। बैठक में सभासदों ने कहा कि नगर पंचायत बोर्ड द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद भी यदि प्रस्तावित कार्यों को पूरा नहीं कराया जा सकता तो इससे बोर्ड की भूमिका और सभासदों के अधिकारों पर सवाल खड़े होते हैं।

होर्डिंग पर लगे थे कई प्रमुख नेताओं के चित्र

सभासदों के अनुसार हटाए गए फ्लेक्स होर्डिंग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय चौधरी अजीत

सिंह, केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह, क्षेत्रीय विधायक मदन भैया, पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय डॉ. खालिद तथा नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. आबिद हुसैन के चित्र लगे हुए थे। सभासदों का कहना है कि होर्डिंग नगर पंचायत बोर्ड के प्रस्ताव के आधार पर लगाए गए थे। उनका आरोप है कि बाद में शिकायत के आधार पर इन्हें हटा दिया गया, जिससे निर्वाचित सदस्यों में असंतोष पैदा हुआ।

नामित सदस्य ने शिकायत को लेकर उठाए सवाल

मामले में राष्ट्रीय लोकदल के नामित सदस्य चौधरी सुभाष ने शिकायत को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता विशु पाल ने प्रशासन के समक्ष मामले को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। चौधरी सुभाष का कहना है कि होर्डिंग पर ऐसी कोई तस्वीर अथवा सामग्री नहीं थी, जिससे कानून का उल्लंघन होता हो। उन्होंने शिकायत के माध्यम से माहौल बिगाड़ने का आरोप भी लगाया। हालांकि, इस पूरे मामले में शिकायतकर्ता का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

सभासद बोले- प्रस्ताव पास होने के बाद भी काम नहीं तो बोर्ड का क्या औचित्य?

सामूहिक इस्तीफे को लेकर सभासदों का कहना है कि उनका कदम किसी व्यक्तिगत विवाद के कारण नहीं उठाया गया है। उनका विरोध नगर पंचायत बोर्ड के प्रस्तावों को लागू कराने और सभासदों के अधिकारों से जुड़ा है। सभासदों ने कहा कि यदि निर्वाचित बोर्ड किसी कार्य को लेकर प्रस्ताव पारित करता है और उसके बावजूद उस कार्य को धरातल पर नहीं उतरने दिया जाता, तो इससे बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। बैठक में सभासदों ने नगर पंचायत में पूर्व में स्वागत द्वार निर्माण को लेकर बोर्ड द्वारा दो बार प्रस्ताव पारित किए जाने के बावजूद काम में बाधा आने का भी उल्लेख किया।

अध्यक्ष को सौंपे जिलाधिकारी के नाम इस्तीफे

नाराज सभासदों ने अपने त्यागपत्र सीधे जिलाधिकारी के नाम संबोधित करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. आबिद हुसैन को सौंपे। सभासदों का दावा है कि नगर पंचायत के करीब 99 प्रतिशत सभासद इस सामूहिक निर्णय में शामिल हैं। सभासदों का कहना है कि यह कदम दबाव बनाने या व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि बोर्ड के प्रस्तावों और निर्वाचित सदस्यों के अधिकारों के सम्मान की मांग को लेकर उठाया गया है।

सोमवार को जिलाधिकारी से मिलेंगे सभासद

सभासदों के अनुसार अब सभी सदस्य सोमवार को जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे पूरे प्रकरण से जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे और फ्लेक्स होर्डिंग हटाए जाने की कार्रवाई को लेकर अपना पक्ष रखेंगे। सभासद प्रशासन के सामने यह मांग भी रखेंगे कि यदि बोर्ड के प्रस्ताव के अनुसार होर्डिंग लगाने में कोई वैधानिक बाधा नहीं है तो उन्हें दोबारा लगाए जाने की अनुमति दी जाए।

रोनी हरजीपुर में एक रात में तीन घरों पर चोरों का धावा, दो में लाखों की चोरी

पुरानी बाइक छोड़ नई मोटरसाइकिल लेकर फरार हुए चोर, नकदी-जेवरात समेत सामान चोरी होने से ग्रामीणों में दहशत

मुजफ्फरनगर। थाना चरथावल क्षेत्र के गांव रोनी हरजीपुर में बीती रात अज्ञात चोरों ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक के बाद एक तीन घरों को निशाना बनाया। चोर दो घरों में चोरी करने में सफल रहे, जबकि तीसरे घर में उनका प्रयास नाकाम हो गया। वारदात के दौरान चोर अपने साथ लाई गई पुरानी बाइक मौके पर छोड़ गए और एक घर से नई मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गए। एक ही रात में लगातार तीन घरों को निशाना बनाए जाने की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार चोर बेहद शातिर तरीके से रात के समय घरों में दाखिल हुए। सबसे पहले उन्होंने तिलकराम हवाई के घर को निशाना बनाया। यहां से चोर करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी और मिठाई चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरों ने दूसरे घर में धावा बोल दिया। बताया गया कि स्वयं नामक धोबी के घर से चोर करीब दो लाख रुपये की नकदी, कानों के कुंडल और नई मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरों ने तीसरे घर को भी निशाना बनाने का प्रयास किया, लेकिन यहां उन्हें सफलता नहीं मिली और चोरी की वारदात को अंजाम नहीं दे सके।

पुरानी बाइक छोड़ गए, नई मोटरसाइकिल लेकर भागे

वारदात का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह सामने आया कि चोर जिस पुरानी बाइक से गांव में पहुंचे थे, उसे मौके पर ही छोड़ गए, जबकि एक घर से नई मोटरसाइकिल चोरी कर उसे लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी सुबह होने पर ग्रामीणों को हुई तो गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घरों में सामान बिखरा देखा तो तत्काल आसपास के लोगों को जानकारी दी। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो

गए और पुलिस को सूचना दी गई।

लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि चरथावल क्षेत्र के गांवों में चोरी की घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनी हुई हैं। कभी किसानों के नलकूप और बिजली से संबंधित सामान चोरों के निशाने पर होते हैं तो कभी घरों में घुसकर नकदी और सामान चोरी कर लिया जाता है। लगातार हो रही घटनाओं के कारण ग्रामीण अपने घरों, खेतों और सामान की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से रात के समय गांवों में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध लोगों की जांच करने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

चोरी की घटनाओं और नशे के कारोबार पर जताई चिंता, जल्द कार्रवाई की मांग

घटना की जानकारी मिलने के बाद भाकियू नेता एवं जिला पंचायत सदस्य विकास शर्मा भी रोनी हरजीपुर गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने मौके से ही वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को फोन कर वारदात से अवगत कराया और चोरी की घटना का जल्द से जल्द खुलासा किए जाने की मांग की।

विकास शर्मा ने कहा कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी अपने स्तर पर बेहतर तरीके से कार्य कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की लापरवाही और निगरानी की कमी अधिकारियों के प्रयासों पर पानी फेर रही है। उन्होंने कहा कि गांवों में लगातार चोरी की घटनाएं होना गंभीर विषय है और पुलिस को इसे चुनौती के रूप में लेते हुए प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ चोरी की घटनाएं ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में बढ़ रही नशे की समस्या भी चिंता का विषय है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका असर युवाओं और ग्रामीण समाज पर गंभीर रूप से पड़ सकता है।

भाकियू नेता विकास शर्मा ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नशे का कारोबार भी बढ़ रहा है। उनके मुताबिक बिरालसी चौकी क्षेत्र में सूखा नशा खुलेआम बेचे जाने की शिकायतें ग्रामीणों की ओर से सामने आ रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इन शिकायतों की गंभीरता से जांच कर नशे के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का भी कहना है कि नशे के कारण क्षेत्र में अपराध बढ़ने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में पुलिस को चोरी की घटनाओं के साथ-साथ नशे के कारोबार पर भी प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

तेंदुए की दहशत के बीच चोरी की घटनाओं ने बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता

रोनी हरजीपुर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पहले से ही जंगल क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों को रात के समय खेतों और जंगल की ओर जाने में डर लगता है। ऐसे में अब घरों में लगातार चोरी की घटनाओं ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆**अनिल रॉयल**

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रेखा रानी पुत्री पीतम सिंह निवासी गांधी विहार रेलवे स्टेशन जिला हापुड़ हाल निवासी 1123 सूरज विहार जाट कॉलोनी जिला मुजफ्फरनगर की निवासी हूँ । मैं शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा नाम व पता उपरोक्त सब सच व सही है। मैंने डा. एम0पी0 स्वामी मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलेज मेरठ से कक्षा 12 जिसका रोल नं0 0251953 सन 2007 में उत्तीर्ण की थी। जिसकी मार्कशीट भूलवश कहीं पर गुम हो गयी है और काफी तलाश करने पर भी नहीं मिली है। वर्तमान में शपथकर्ता किसी भी सरकारी प्राइवेट विभाग में कहीं भी कार्यरत नहीं है। मुझे उक्त प्रमाणपत्र की द्वितीय सत्यापित प्रति [डुप्लीकेट] जारी की जानी अति आवश्यक है।

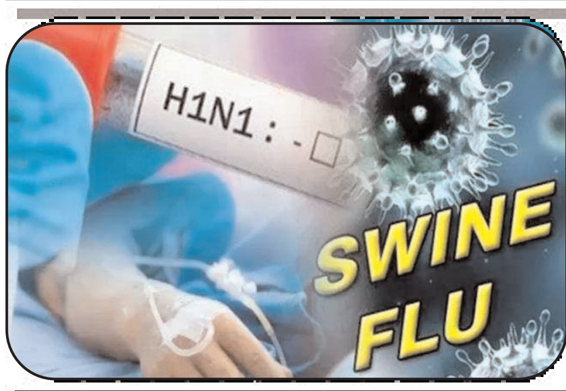

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 07 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी समीर समेत वांछित दो आरोपियों से छपार पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से दोनों घायल

रेता नंगला के जंगल में थाना प्रभारी मोहित कुमार सहरावत की टीम ने घेरा, पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में सलमान और अव्वलीन गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने के दौरान रविवार को छपार पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। थाना प्रभारी छपार मोहित कुमार सहरावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रेता नंगला के जंगल में घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, घिरने के बाद आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने बताया कि 5 सितंबर 2026 को थाना छपार क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला पुलिस के संज्ञान में आया था। इस संबंध में थाना छपार पर मु0अ0सं0 188/2026, धारा 137(2)/65(1)/61(2) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुख्य आरोपी समीर को पुलिस ने उसी दिन किया गिरफ्तार

घटना सामने आने के बाद छपार पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 सितंबर को मुख्य आरोपी समीर को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, मुकदमे में शामिल दो अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इसी अभियान के तहत थाना प्रभारी मोहित कुमार सहरावत अपनी टीम के साथ लगातार वांछित आरोपियों की तलाश में जुटे थे।

मुखबिर की सूचना ने पहुंचाया आरोपियों तक

रविवार को थाना छपार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित दोनों आरोपी रेता नंगला के जंगलों में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोहित कुमार सहरावत के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जंगल में आरोपियों की घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, पुलिस टीम को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में पुलिस टीम बाल-बाल बची। पुलिसकर्मियों ने आरोपियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी, लेकिन आरोपियों ने चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए पुलिस पर लगातार फायरिंग जारी रखी।

आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग, दोनों आरोपी घायल पुलिस के मुताबिक अपनी सुरक्षा में पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपियों की पहचान सलमान पुत्र लताफत, निवासी ग्राम छपरा, थाना छपार तथा अव्वलीन पुत्र सलीम, निवासी ग्राम छपरा, थाना छपार के रूप में हुई। गोली लगने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

दो तमंचे, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे 315 बोर, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद अवैध हथियारों के संबंध में भी पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मोहित कुमार सहरावत की टीम की त्वरित कार्रवाई

गंभीर मामले में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छपार पुलिस लगातार सक्रिय थी। मुखबिर की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोहित कुमार सहरावत ने बिना समय गंवाए अपनी टीम के साथ जंगल में पहुंचकर घेराबंदी की, जिसके बाद दोनों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान टीम ने पूरी सतर्कता के साथ आरोपियों का सामना किया और पुलिस पर फायरिंग किए जाने के बाद आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई।

एसएसपी के निर्देशन में जारी है आगे की कार्रवाई

क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे थे। उनके कब्जे से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं। घायल आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और उनकी गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना छपार पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस अब दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास और पूरे प्रकरण में उनकी भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले की विवेचना जारी है।

छपार नाबालिग दुष्कर्म मामले में पीड़ित परिवार से मिले कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा

पीड़िता की मां ने सरकार से आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की, चौधरी नरेश टिकैत ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के छपरा गांव में जन्माष्टमी की रात मंदिर गई करीब 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। इसी बीच मामले ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी तूल पकड़ लिया है। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार रविवार को पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली और परिवार को ढांढस बंधाया। मंत्री ने पुलिस अधिकारियों से भी प्रकरण में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। मंत्री अनिल कुमार ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि मामले में कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा एवं हर संभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का भी भरोसा दिलाया। पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी बेटी कक्षा नौ में पढ़ती है और उसके पिता टेंपो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका आरोप है कि जन्माष्टमी की रात उनकी बेटी मंदिर जाने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान गांव के ही तीन युवकों ने उसे

कथित रूप से रास्ते से जबरन उठा लिया। पीड़िता की मां ने सरकार और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी के साथ जिस तरह की घटना का आरोप है, उसके लिए दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी इस तरह का अपराध करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने सरकार से आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की।

मंदिर जाने के बाद काफी देर तक घर नहीं लौटी किशोरी

परिजनों के अनुसार, चार सितंबर की रात जन्माष्टमी के अवसर पर करीब 13 वर्षीय किशोरी घर से मंदिर जाने के लिए निकली थी। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान किशोरी आरोपी समीर के घर के पास बदहवास हालत में मिली। परिजनों का आरोप है कि किशोरी ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी उन्हें दी। इसके बाद परिवार किशोरी को लेकर छपार थाने पहुंचा और पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। तीन युवकों पर आरोप, एक गिरफ्तार

परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। शिकायत में गांव निवासी समीर समेत तीन युवकों पर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी समीर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई कराई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों एवं साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है।

चौधरी नरेश टिकैत ने की सख्त कार्रवाई की मांग

मामले की जानकारी मिलने के बाद किसान नेता चौधरी नरेश टिकैत ने भी घटना पर कड़ा रुख जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि नाबालिग के साथ इस तरह के गंभीर अपराध के आरोपियों के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले में तेजी से कार्रवाई की मांग की। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने भी घटना को गंभीर बताते हुए चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 15 दिनों में यह दूसरी ऐसी घटना सामने आई है, जो पूरे मुजफ्फरनगर के लिए चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

मुजफ्फरनगर में स्वाइन फ्लू का अलर्ट: जानसठ रोड और प्रकाश चौक पर मिले 2 नए मरीज, जिले में कुल 13 संक्रमित

स्वास्थ्य महकमे में स्वाइन फ्लू के तांडव से मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर। जिले में मौसमी बदलाव के साथ ही स्वाइन फ्लू (H1N1) के संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। स्वास्थ्य विभाग की तमाम चौकसी और सैंपलिंग के दावों के बीच नए मरीजों के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। शनिवार को प्राप्त हुई आधिकारिक जांच रिपोर्ट में शहर के दो प्रमुख और पॉश इलाकों जानसठ रोड और प्रकाश चौक निवासी दो 50 वर्षीय व्यक्तियों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही जिले में संक्रमितों का कुल आंकड़ा बढ़कर 13 हो गया है, जिससे स्वास्थ्य विभाग में अफरा-तफरी का माहौल है।

मोरना और देहात क्षेत्रों में भी अलर्ट

इससे पहले बुधवार को मोरना ब्लॉक क्षेत्र में भी एक मरीज मिलने से हड़कंप मचा था, जिसके बाद

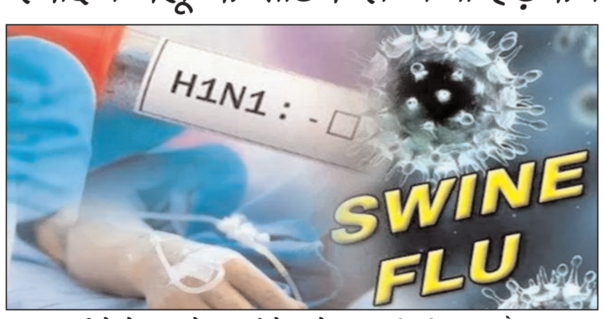

स्वास्थ्य टीमों ने गांव में संपर्क में आए परिजनों व ग्रामीणों की ट्रेसिंग और जांच कराई थी। अब शहरी क्षेत्र के साथ-साथ खतौली, जानसठ और मोरना जैसे ग्रामीण इलाकों में भी संक्रमण फैलने से प्रशासनिक चिंता बढ़ गई है।

सितंबर-अक्टूबर में तेजी से फैलता है वायरस: सीएमओ

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) डॉ. सुनील कुमार तेवतिया ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर के महीने मौसम में उतार-चढ़ाव के कारण फ्लू और अन्य संक्रामक बीमारियों के लिए सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। जिले में अब तक कुल 13 मामले सामने आए हैं। राहत की बात यह है कि सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और उन्हें डॉक्टरों की देखरेख में आइसोलेशन व दवाओं पर रखा गया है। विभाग की टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं।

पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

मुजफ्फरनगर। छपार क्षेत्र में नाबालिक बालिका के साथ अल्पसंख्यक समाज के युवकों द्वारा किए दुष्कर्म के मामले से आग बबूला हुए पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही को लेकर पुलिस अफसरों से मुख्यमंत्री के समक्ष मामला रखने की चेतावनी दी गई।

प्राप्त समाचार के अनुसार गत दिवस छपार थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के मामले मे अल्पसंख्यक समाज के युवकों के खिलाफ भारी रोष पैदा हो गया,सूचना मिलते ही जनप्रतिनिधि गांव पहुँचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही को लेकर पुलिस अफसरों को निर्देश दिए।

रविवार को पुरकाजी विधानसभा के पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली, इस दौरान पीड़ित परिवार की आप बीती सुनकर पूर्व विधायक गुस्से मे आ गए और उन्होंने पुलिस अफसरों से उक्त प्रकरण को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने की बात कही और कहा की आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही चाहिए।

उधर भाजपा नेताओं के सख्त कार्यवाही की हिदायत के बाद छपार पुलिस ने गिरफ्तारी के दौरान हुई मुठभेड़ मे दो आरोपियों के पैर मे गोली लगने के बाद गिरफ्ताड्ड कर लिए हैं।

दुष्कर्म पीड़ित परिवार से मिले हिंदू संघर्ष समिति के पदाधिकारी

दुष्कर्म पीड़ित परिवार से मिले हिंदू संघर्ष समिति के पदाधिकारी, एसएसपी से की कठोर कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। थाना छपार क्षेत्र के छपरा गांव में दुष्कर्म की घटना के बाद हिंदू संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। समिति ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद हिंदू संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल दुष्कर्म पीड़िता के ताऊ को साथ लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी के समक्ष पूरे मामले को रखते हुए आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के गंभीर अपराधों में किसी भी आरोपी के प्रति नरमी नहीं बरती जानी चाहिए तथा पीड़िता और उसके परिवार को पूर्ण

सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में नियमानुसार सख्त कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक नरेंद्र पवार साधु ने कहा कि समिति पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक समिति प्रशासन के समक्ष अपनी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में अरुण प्रताप सिंह, देशराज चौहान, राजेश शर्मा, शैकी शर्मा, बालेंद्र प्रधान, अंकित राजपूत सहित हिंदू संघर्ष समिति के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पश्चिमी यूपी के 20 जिलों में पशुओं में लंपी का प्रकोप: सहारनपुर में सर्वाधिक 5391 पशु, बचाव में उतरी टीम, जिला मुख्यालय से दैनिक समीक्षा के निर्देश

मुजफ्फरनगर में 364, शामली में 1212, बिजनौर में 206 और बागपत में 230 पशु लंपी की चपेट में आए,

मुजफ्फरनगर। प्रदेश में पशुओं में फैलने वाली संक्रामक बीमारी 'लम्पी स्किन डिजीज' हालांकि अब नियंत्रण में आ चुकी है। लेकिन यूपी के प्रभावित 20 जिलों की दैनिक आधार पर राज्य मुख्यालय से समीक्षा की जा रही है। पशुपालन विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाकर स्थिति को पूरी तरह सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सहारनपुर में सबसे ज्यादा 5391 पशु लंपी की चपेट में आए हैं, जिनमें आठ की मौत की पुष्टि भी की गई है। उत्तर प्रदेश रोग नियंत्रण निदेशक डॉ. संगीता तिवारी ने स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि जिन जिलों में शुरूआती चरण में मरीज मिले थे, वहां अब मामले खत्म होने की कगार पर हैं। इसके अलावा, सीमावर्ती जिलों से किसी भी संक्रमित या प्रभावित पशु का प्रवेश न हो, इसके लिए सीमाओं पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। निदेशक ने स्पष्ट किया कि जिन पशुओं की मौत हुई है, उनमें से अधिकतर मामले ऐसे थे जहां पशुपालकों ने समय पर इलाज नहीं कराया था या फिर वे निराश्रित (बेसहारा) पशु थे। यानी इसका कारण देर से इलाज और लापरवाही रहा है। उन्होंने पशुपालकों को आश्वस्त किया कि यह बीमारी पशुओं से मनुष्यों में बिल्कुल नहीं फैलती (यह नॉन-जूनोटिक है), इसलिए घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

प्रदेश में 13.50 लाख पशुओं का टीकाकरण

पशुपालन विभाग का दावा है कि अब तक करीब 8562 पशु बीमारी की चपेट में आए हैं, जिनमें 7180 ठीक हो गए हैं। प्रभावित जिलों में करीब 50 लाख टीका भेजा गया है, जिनमें को लगा दिया गया है। बीमारी की चपेट में आए करीब

1368 जानवरों का उपचार चल रहा है। संबंधित गांवों में पशुपालन विभाग की टीम निरंतर निगरानी कर रही है।

सहारनपुर में सर्वाधिक 8 मौत

लंपी की चपेट में सर्वाधिक 5391 पशु सहारनपुर में आए हैं। यहां आठ पशुओं की मौत हुई है। इसी तरह बागपत में एक, गाजियाबाद में तीन, मथुरा में दो सहित कुल 14 पशुओं की मौत हुई है। अन्य की डेथ आडिट की जा रही है। बीमारी की चपेट में आए जिलों में शामली में 1212, मुजफ्फरनगर में 364, मेरठ में 156, मथुरा में 206, फिरोजाबाद में 325, बिजनौर में 206, बागपत में 230, हापुड़ में 163 मरीज मिले हैं। इसके अलावा आगरा, अमरोहा, बुलंदशहर, इटावा, हाथरस, चित्रकूट, झांसी, बहराइच, कानपुर नगर में छिटपुट पशु मिले हैं।

हरियाणा से सटे जिले ज्यादा प्रभावित

उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में पशुओं में लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) संक्रमण फैल गया है। इस बीमारी की चपेट में हरियाणा से सटे जिलों के पशु अधिक है। करीब 14 पशुओं की मौत हो गई। अन्य का उपचार चल रहा है। बीमारी से पशुओं को बचाने के लिए दूसरे राज्य से सटे जिलों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। दूसरे राज्यों के पशुओं के जिलों में आने पर भी रोक लगाई गई है। प्रदेश में लंपी की दस्तक करीब दो माह पहले ही हो गई थी। हरियाणा एवं राजस्थान से मिले इनपुट के आधार पर पशुपालन विभाग ने सीमावर्ती जिलों में करीब 10 किलोमीटर की परिधि में टीकाकरण किया। उम्मीद थी कि इससे संक्रमण रुक जाएगा, लेकिन धीरे- धीरे यह आगे बढ़ता गया। जिन जिलों में पहले बीमारी आई थी, वहां अब नए केस नहीं मिल रहे हैं।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड में निगरानी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लंपी के केस मिलते ही पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड के सीमावर्ती जिलों में 10 किलोमीटर की परिधि में टीकाकरण की बाड़बंदी(लेयर) तैयार किया गया। निरंतर निगरानी का फायदा मिला और ये जिलों बच गए हैं। चित्रकूट और झांसी के केस को देखते हुए बुंदेलखंड को अलर्ट कर दिया गया है। अब बीमारी नियंत्रण में हैं। प्रभावित 20 जिलों की मुख्यालय से भी हर दिन समीक्षा की जा रही है। विशेष टीकाकरण अभियान भी चल रहा है। जिन जिलों में पहले मरीज मिले थे, वहां अब खत्म होने लगे हैं। सीमावर्ती जिलों से कोई प्रभावित पशु न आने पाए, इसकी भी निगरानी की जा रही है।

यूपी में आफत की बारिश: मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर और बागपत में जलभराव, वैज्ञानिकों ने किसानों को किया सतर्क

शहरी और ग्रामीणों इलाकों में लगातार बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त

मुजफ्फरनगर/ मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जहाँ भीषण गर्मी और उमस से तड़प रहे लोगों को राहत दी है, वहीं निचले इलाकों और कृषि क्षेत्रों में आफत खड़ी कर दी है। मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, बिजनौर, बागपत और सहारनपुर में सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर झमाझम बारिश का दौर जारी है।

पश्चिमी यूपी में मानसून की बारिश ने तांडव मचा रखा है। रविवार को सुबह से झमाझम बारिश से कई जिलों में जलभराव के कारण यातायात और जनजीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त है। मुजफ्फरनगर में लगातार हो रही बारिश के कारण बाणगंगा और सोलानी नदियां उफान पर हैं, जिससे तटीय इलाकों और सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है। आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह में ही बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया जा चुका

है। मुजफ्फरनगर जिले में सुबह छह बजे से लगातार बारिश हो रही है। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बाणगंगा और सोलानी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहरी बस्तियों व ग्रामीण इलाके जलमग्न हैं और ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के ढ़हने का लगातार खतरा बना हुआ है।

शामली में बारिश से मौसम सुहाना

जिले में सुबह से ही बूंदाबांदी चल रही है। आसमान में घने बादल छाये हुए हैं। तेज बारिश होने के आसार बने हुए हैं। बारिश से लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली है।

मेरठ व बागपत मे झमाझम बारिश

बागपत में सुबह से झमाझम बारिश का दौर चल रहा है। खेतों में पानी भर गया है। वैज्ञानिकों ने किसानों को चेताया है कि खेतों में ज्यादा समय तक पानी न भरा रहने दें, नहीं तो फसल की जड़ कमजोर होने से नुकसान हो सकता है। वहीं शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया है। मेरठ समेत वेस्ट यूपी की कई जिलों में झमाझम बारिश का दौर चल रहा है। कई जिलों में खेतों में पानी भर गया है। वैज्ञानिकों ने किसानों को चेताया है कि खेतों में ज्यादा समय तक पानी न भरा रहने दें, नहीं तो फसल की जड़ कमजोर होने से नुकसान हो सकता है।

अगले 24 घंटे भारी, मानसून की विदाई से पहले बदला मिजाज

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार, मानसून की वापसी का समय करीब आ रहा है। लेकिन लौटने से पहले मानसून की यह सक्रियता पश्चिमी यूपी के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज करा रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 24 घंटे तक क्षेत्र में बारिश का यही रुख बना रहेगा।

फसलों का गणित: गन्ने को संजीवनी, धान और सब्जियों पर मंडराया खतरा

इस समय हो रही बारिश कृषि क्षेत्र के लिए मिला-जुला असर लेकर आई है:

गन्ने और खरीफ को फायदा

गन्ने की फसल के लिए यह बारिश बेहद फायदेमंद साबित हो रही है। खेतों में पर्याप्त नमी मिलने से किसानों को अलग से सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे लागत घटेगी। इसके साथ ही धान, बाजरा और ज्वार की उन फसलों को भी राहत मिली है जहाँ सिंचाई की कमी थी।

सब्जियों और पकी फसलों को नुकसान: जिन खेतों में सब्जियां, ज्वार या बाजरा की फसल पककर तैयार है, वहाँ तेज हवाओं और पानी के कारण फसल गिरने (लॉजिंग) का खतरा बढ़ गया है। अत्यधिक पानी जमा रहने से सब्जियों में सड़न और फंगल बीमारियां फैल सकती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों की किसानों को सख्त सलाह

खेतों से तुरंत निकालें पानी: धान या अन्य फसलों के खेतों में ज्यादा समय तक पानी रुकने से पौधों की जड़ों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे जड़ें कमजोर होकर सड़ने लगती हैं। किसान जल निकासी की त्वरित व्यवस्था करें। कीट व रोगों की निगरानी: बारिश थमने के बाद फसलों की नियमित निगरानी करें। यदि फसल पर किसी प्रकार के रोग या कीट का प्रकोप दिखता है, तो तुरंत कृषि विशेषज्ञों की सलाह से ही अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।

संपादकीय

बीसीआई ने छात्रों के भविष्य पर लगाया अपना फरमान, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा - अधिकार कहां से मिला?

यह विचित्र है कि बीसीआई खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो।गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए।उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित किया जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है। इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था।सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा?यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

(रमेश सर्राफ धमोरा)

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है।

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी।

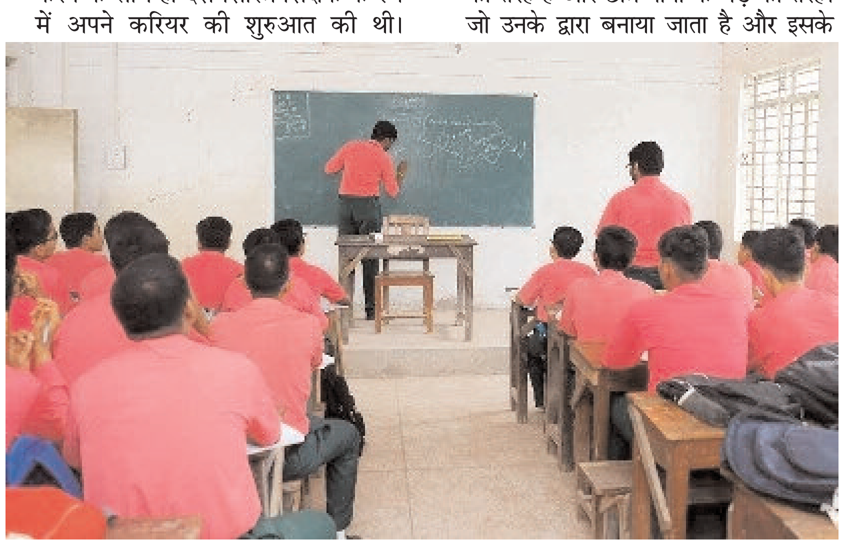

उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट,
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

पहले के समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी - संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भावी संकट की पूर्व चेतावनी है नेपाल त्रासदी

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार है। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाड़ा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं अपितु देखा जाएं तो यह समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछ्ले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुद्री तूफानों की बढती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही है। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल के फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात कभी भी इनके दायरें में आने वाले देशों में हो सकते हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरें में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरें में सीधे सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग है जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरें में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरें के दायरें में भारत, पाकिस्तान, कनाड़ा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल दर साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह साफ हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रुप में पलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। तो दूसरी और अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है। नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। दरअसल ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती हैं। ग्लेशियल झील बन जाती है इसे हिमनदी झील भी कह सकते हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी ग्लेशियल झील के फटने के कारण ही हुई है। वैज्ञानिकों की माने तो ग्लेशियलों के निर्माण की गति में काफी तेजी आई है। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल यानी की 2023 तक 1048 हो गई हैं। नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आदटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाएं तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इन हालातों पर नजर नहीं रख रहे हो बल्कि देखा जाएं तो लीड्स विश्वविद्यालय के ग्लेशियल फ्लडिंग के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्टीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रुबरु कराने के साथ ही ठोस सुझाव भी दिए हैं। दरअसल एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेतानें के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल बढ़ा है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में स्वाभाविक रुप से बढ़ोतरी होने के साथ ही अपशिष्ट भी फैल रहा है। दरअसल प्रकृति से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से छेडछाड़ बढ़ रही है।

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

(नीरज कुमार दुबे)

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है। इतिहासकिताबें खोजें बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की साझी विरासत, भविष्य की रणनीतिक साझेदारी - हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है। लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों

को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत - इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है। बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

पांच साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य - दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रक्षा सहयोग- रिश्तों का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव - इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया। साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा।

सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

चित्रकूट में सीएम योगी ने बाढ़ पीड़ितों के घावों पर लगाया मरहम, बांटी राहत सामग्री, ढहे मकानों के लिए दिए चेक

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर धर्मनगरी चित्रकूट पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई और जमीनी निरीक्षण किया। सीएम योगी ने मंदाकिनी नदी की बाढ़ से प्रभावित हुए सैकड़ों परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द जाना और उन्हें राशन किट व राहत सामग्री वितरित की।आपदा की इस घड़ी में त्वरित सहायता पहुंचाते हुए मुख्यमंत्री ने उन तीन बाढ़ पीड़ितों में से प्रत्येक को 1 लाख 20 हजार रुपए के चेक सौंपे, जिनके आशियाने बाढ़ की भेंट चढ़ गए थे। वहीं, कुछ लाभार्थियों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र भी दिए। प्रशासन अभी सर्वे करा रहा है, शीघ्र ही अन्य प्रभावितों को भी ऐसी ही मदद दी जाएगी। राहत सामग्री वितरण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी मजबूती के साथ बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है।उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार द्वारा हर वर्ग के सभी प्रभावित लोगों को बिना किसी भेदभाव के हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राहत कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बाढ़ प्रभावित लोगों का दर्द व राहत कार्य की ताजा स्थिति जानने आए सीएम योगी ने चित्रकूट के रामायण मेला में आयोजित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में मंच से जहां पूर्ण रूप से मकान छतिग्रस्त हो जाने पर मुकेश, लल्लू और चुन्नीलाल में प्रत्येक को 1 लाख 20 हजार रुपए के चेक प्रदान किए तो वही राम सूरज और सूरज कली को भूमि आवंटन प्रमाणपत्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री के हाथों तुरंत मदद पाकर बाढ़ पीड़ित खुश नजर आए। राहत सामग्री और पक्के मकान का आश्वासन पाकर लोगों ने मुख्यमंत्री का दिल से आभार जताया। सीतापुर मलकाना इलाके की रहने वाली रानी व मंजू ने बताया कि बाढ़ में हमारा पूरा घर डूब गया था और गृहस्थी का सारा सामान बर्बाद हो गया था। सुख्यमंत्री ने खुद आकर हमें राशन किट दी है जिससे हमें बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने हमें नया घर बनवाने का भरोसा भी दिया है।

कटरा गूजर गांव की रहने वाली आशा ने बताया कि बाढ़ में हमारा मकान डूब गया था, लेकिन प्रशासन और योगी सरकार की सजगता के कारण बाढ़ के पहले दिन से ही हमें लगातार खाने-पीने का सामान मिल रहा था। आपदा के बीच भी हमें भूखा नहीं सोने दिया गया। वहीं, एक अन्य बाढ़ पीड़ित ज्ञान सिंह ने कहा कि मेरा कच्चा मकान बाढ़ में ढह गया था। आज राशन किट भी मिली और घर बनवाने का भी आश्वासन मिला है। मैंने अपने जीवन में ऐसे मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा जो इतनी जल्दी खुद पीड़ितों के बीच आकर उनका दुख-दर्द बांटें।जो सीएम योगी ने किया, वह आज तक किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। चित्रकूट की जनता और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के इस त्वरित दौरे और संवेदनशीलता की जमकर सराहना की है। बाढ़ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक कर स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य करने और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

देवबंद में मजनू वाला रोड पर आजाद भारत फर्नीचर हाउस में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

रविवार सुबह दुकान के भूतल और प्रथम तल पर फैली आग, लाखों का सामान जला, कोई हताहत नहीं

देवबंदः नगर के मजनू वाला रोड पर स्थित एक फर्नीचर हाउस में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने की इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस बड़े हादसे में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई है और कोई भी हताहत नहीं हुआ है। फर्नीचर हाउस में अचानक फैली विकराल आगप्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा देवबंद नगर में मजनू वाला रोड स्थित आजाद भारत फर्नीचर हाउस में हुआ। रविवार सुबह इस फर्नीचर शोरूम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से बढ़ने लगीं और पूरे परिसर में धुआं भर गया।फर्नीचर हाउस के भूतल पर बड़ी मात्रा में लकड़ी का सामान और तैयार फर्नीचर रखा हुआ था। भूतल पर लगी आग तेजी से फैलते हुए दुकान की पहली मंजिल यानी प्रथम तल तक पहुंच गई। दुकान से तेज धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय निवासियों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस

और फायर सर्विस को दी।सहारनपुर के बेहट रोड से बुलाई गई अतिरिक्त टीम घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और पुलिस बल तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंची टीम ने स्थिति का जायजा लिया तो देखा कि आग भूतल पर रखे फर्नीचर के साथ-साथ प्रथम तल को भी अपनी आगोश में ले चुकी थी।आग की भयावहता और फैलती लपटों को देखते हुए तुरंत अतिरिक्त दमकल गाड़ियों की मांग की गई। इसके लिए बेहट रोड, सहारनपुर से भी फायर सर्विस यूनिट को सहायता के लिए मौके पर बुलाया गया। दोनों स्थानों से आई दमकल टीमों ने मिलकर आग बुझाने का संयुक्त अभियान शुरू किया।कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया आग पर काबू दमकलकर्मियों ने सबसे पहले भूतल पर लगी आग पर पानी की बौछारें करके उसे नियंत्रित किया। भूतल की आग शांत होने के बाद टीम प्रथम तल तक पहुंची और वहां लगी आग को पूरी तरह बुझा दिया। फायर सर्विस टीम की तुरंत की गई कार्रवाई की वजह से आग को आसपास की अन्य दुकानों में फैलने से रोक लिया गया। इस अग्निकांड में किसी भी व्यक्ति के घायल होने या जनहानि की खबर नहीं है। हालांकि दुकान के अंदर रखा लाखों रुपये का फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। बताया जा रहा है कि आग से कुल कितना नुकसान हुआ है, इसका सही और वास्तविक आंकलन पूरी जांच प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ही साफ हो सकेगा।

सांसद इकरा हसन पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप! सपा कार्यकताओं ने थाने पहुंचकर दी तहरीर, जांच और कार्रवाई की मांग

शामली। कैराना लोकसभा क्षेत्र की सांसद इकरा हसन के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में थाना आदर्श मंडी पुलिस को शिकायती पत्र देकर सोशल मीडिया पोस्ट और उसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।रविवार को समाजवादी पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र ताना के नेतृत्व में थाना आदर्शमंडी पहुंचे। जहां उन्होने थाना थानाभवन क्षेत्र के ग्राम धकोड़ी जमालपुर निवासी ठाकुर शेर सिंह राणा की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि रोहित प्रधान पुत्र चंद्रपाल निवासी ग्राम बीराखेड़ी, थाना गंगोह, जनपद सहारनपुर तथा उसके कुछ अन्य साथियों द्वारा सांसद इकरा हसन के विरुद्ध सोशल मीडिया अथवा सार्वजनिक माध्यम से अमर्यादित एवं

आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है।शिकायतकर्ता का कहना है कि कथित टिप्पणी से सांसद की प्रतिष्ठा और सम्मान को ठेस पहुंचने के साथ ही समाज में आपसी सौहार्द एवं शांति प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायती पत्र में संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट, टिप्पणी और अकाउंट की जांच करने तथा उसमें शामिल व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाने का अनुरोध किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ प्रचलित कानून के तहत कार्रवाई करने और आपत्तिजनक सामग्री को नियमानुसार हटवाने की मांग भी की है। शिकायती पत्र के साथ आपत्तिजनक टिप्पणी अथवा पोस्ट के स्क्रीनशॉट, सोशल मीडिया पोस्ट या प्रोफाइल का लिंक तथा अन्य संबंधित साक्ष्य उपलब्ध कराने की बात कही गई है। इस अवसर पर कलीम चौधरी, शमशाद बलवा, सचिन कुमार, तासिन मंसूरी, सुरेश प्रधान, संदीप राणा आदि मौजूद रहे।

शामली से हरिद्वार: 16 लावारिस शवों की अस्थियां लेकर रवाना हुआ सेवा समूह, मां गंगा में होगा विसर्जन

शामली। मानवता और सामाजिक संवेदना की अनूठी मिसाल पेश करते हुए अंतिम यात्रा सेवा समूह एवं जय हिंद सामाजिक संस्था के सदस्य शामली से 16 अज्ञात मृतकों की अस्थियां लेकर हरिद्वार के लिए रवाना हुए। हरिद्वार में मां गंगा के पवित्र तट पर इन सभी अस्थियों का विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार विसर्जन किया जाएगा। बताया गया कि ये 16 अस्थियां जनपद शामली के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पुलिस द्वारा संस्था को सौंपी गई थीं। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी और न ही उनके अंतिम संस्कार अथवा अस्थि विसर्जन के लिए कोई परिजन सामने आया। ऐसे में अंतिम यात्रा सेवा समूह एवं जय हिंद सामाजिक संस्था ने इन अज्ञात मृतकों की अंतिम विदाई सम्मानपूर्वक कराने की जिम्मेदारी उठाई।संस्था के सदस्यों का कहना है कि किसी व्यक्ति की पहचान भले ही अज्ञात रह जाए, लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव पर उसे सम्मानजनक विदाई मिलना समाज की जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ 16 अस्थि कलशों को लेकर यात्रा हरिद्वार के लिए रवाना की गई है।यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी

का संदेश भी दे रही है। संस्था लंबे समय से ऐसे लोगों के अंतिम संस्कार और अस्थि विसर्जन का कार्य करती आ रही है, जिनका कोई परिजन नहीं होता अथवा जिनकी पहचान नहीं हो पाती।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद शामली के अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी, निशिकांत संगल, जिला कोषाध्यक्ष भाजपा पंकज गुप्ता, पवन गोयल, विकास धीमान, सुभाष धीमान, मैनपाल विश्वकर्मा, डॉ. रामकुमार विश्वकर्मा, बिट्टू धीमान, बिजेंद्र धीमान, राहुल तायल, जितेंद्र सैनी, कमलकांत धीमान, वाशु धीमान, सुनील सैनी, मनीष नामदेव, वैभव गर्ग, आशीष कुमार, साजिद, आकाश जांगिड़, दीपक कुमार और तुषार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संस्था के सदस्यों ने कहा कि नाम और पहचान से परे प्रत्येक व्यक्ति सम्मान का अधिकारी है। 16 अज्ञात मृतकों की अस्थियों को गंगा में विसर्जित कर उन्हें सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई देना इसी मानवीय भावना का प्रतीक है।

अंकित बालियान हत्याकांड: फर्जी सोशल मीडिया आईडी से हत्या की धमकी, शामली पुलिस ने दर्ज किए दो मुकदमे

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर हत्या की धमकी देने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट के जरिए अफवाह फैलाने और लोगों में भय का माहौल पैदा करने के प्रयास को लेकर शामली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में दो एफआईआर दर्ज की हैं।पुलिस के अनुसार, सत्यम कादयान और भोलू शाहपुरिया के नाम से कथित फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर जनता के बीच भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने का प्रयास किया जा रहा है। इन अकाउंट से अंकित बालियान के अलावा दो अन्य लोगों की हत्या करने की बात भी कही जा रही है।मामले की गंभीरता को देखते हुए शामली साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस फर्जी इंस्टाग्राम आईडी समेत अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की गतिविधियों

की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इन अकाउंट को कौन संचालित कर रहा है।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही किसी भी सूचना पर बिना पुष्टि के भरोसा न करें और अफवाहों को लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करने से बचें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भ्रामक और असत्य सूचनाएं प्रसारित कर कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा से भक्तिमय हुआ थानाभवन, कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर निकाली भव्य शोभायात्रा, 12 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से होगा कथा वाचन

थानाभवन। कस्बे के चौक बाजार स्थित अग्रवाल धर्मशाला में स्वर्गीय डॉ. जगमोहनलाल भार्गव की पुण्य स्मृति में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का रविवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ से पूर्व शिवालय प्राचीन बड़ा श्री हनुमान मंदिर से सुबह नौ बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुईं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से कथा स्थल अग्रवाल धर्मशाला तक पहुंचे। इस दौरान भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नगर में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कथा के प्रथम दिवस पर भागवत व्यास पूज्य श्री 108 स्वामी राजदास जी महाराज ने मंगलाचरण के साथ कथा का शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को सच्चिदानंद स्वरूप बताते हुए उनकी दिव्य लीलाओं का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि संसार मोह-माया और दुखों

का सागर है तथा मनुष्य विभिन्न चिंताओं और समस्याओं से घिरा रहता है। ऐसे में ईश्वर की भक्ति, सत्संग और कथा श्रवण मन को शांति प्रदान करते हैं तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति देते हैं।

स्वामी राजदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं से अपने जीवन का कुछ समय ईश्वर की आराधना, सत्संग और हरि-भजन के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भक्ति के साथ ज्ञान और वैराग्य का समावेश मनुष्य को आत्मिक उन्नति की ओर ले जाता है और जीवन को सार्थक बनाता है।

आयोजक श्रीमती प्रकाशवती भार्गव माता जी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा 6 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक अग्रवाल धर्मशाला, थानाभवन में आयोजित होगी। कथा के दौरान प्रतिदिन भजन-कीर्तन एवं धार्मिक प्रवचन होंगे।

आयोजन समिति के अनुसार कथा के आगामी दिनों में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन लीला, रास लीला, सुदामा चरित्र सहित श्रीमद्भागवत महापुराण के विभिन्न दिव्य प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा।

12 सितंबर शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूणार्हुति का कार्यक्रम होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक आयोजन का पुण्य लाभ लेने का आह्वान किया।

आयोजन में श्री श्यामदास जी महाराज यारपुर आश्रम, श्री संजय शर्मा ,राहुल शर्मा,पूर्व चेयरमैन प्रमोद कृष्णा, सतीश जी, योगेन्द्र जी, नीरज जी सहित आयोजन समिति के सदस्य, थानाभवन एवं आसपास के ग्रामों के बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रंग संसार

31वें दिन हनुमान अंश ने लगाई 'मिजापुर द मूवी' की 'लंका', 'नीम करोली बाबा' की कृपा से की छप्परफाड़ कमाई

नई दिल्ली। विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म प्रसिद्ध संत नीम करोली या नीब करोली बाबा के जीवन पर आधारित है।

पहले दिन कमाए सिर्फ 10 लाख रुपये शुरूआत में जिस फिल्म ने मात्र 10 लाख रुपये से बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग की थी उसने तीसरे, चौथे हफ्ते में इतिहास रच दिया है। दरअसल शुरूआती दो हफ्तों में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जरा भी नहीं चली, थी और इसे सिनेमा से उतारने की बात चल रही थी। लेकिन तीसरे हफ्ते की शुरूआत में ऐसा चमत्कार हुआ कि इसने करोड़ों रुपये की कमाई कर डाली। फिल्म मिजार्पुर को भी लगातार टक्कर दे रही है।कितना रहा 31वें दिन का कलेक्शन? वहीं वीकेंड का 'हनुमान अंश' को बहुत फायदा मिला और 31वें दिन इसने बमफाड़ कमाई की। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पांचवें को रविवार को धमाकेदार कलेक्शन करते हुए 14.70 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 114.08 करोड़ रुपये हो गया है।हनुमान अंश 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को शुरूआत में मात्र 25 स्क्रीन मिली थीं और पहले दिन इसने 10 लाख रुपये कमाए। पहले सप्ताह में इसका कलेक्शन 1.08 करोड़ रुपये रहा, जबकि दूसरे सप्ताह में हनुमान अंश ने सिर्फ 40 लाख रुपये कमाए।इन फिल्मों के कलेक्शन को छोड़ा पीछे अपनी मौजूदा कमाई के साथ, हनुमान अंश ने अजय देवगन की सिंघम, रणवीर सिंह अभिनीत 83 और सलमान खान की सिकंदर जैसी कई बड़ी फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इस डिवोशनल ड्रामा ने पुष्पाः द राइज के हिंदी वर्जन को भी मात दे दी है। हैरानी की बात यह है कि फिल्म को मात्र 2 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया, वो भी बिना किसी ए-लिस्ट स्टार्स के। फिल्म में शोभिनव सत्य ने नीम करोली बाबा के किरदार को पर्दे पर निभाया है।

राज काज

अगले हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी के लिए क्या होंगे सपोर्ट और रेजिस्टेंस, जानिए कैसी रहेगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। बाजार विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में सतर्कतापूर्ण दायरे में कारोबार कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक होंगे। ऐसे माहौल में निवेशकों की नजर प्रमुख तकनीकी स्तरों पर बनी रहेगी। पिछले सप्ताह भारतीय बाजार दबाव में रहे, हालांकि शुक्रवार को दोनों प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 362.57 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर 76,515.43 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24.25 अंक यानी 0.10 प्रतिशत बढ़कर 23,897.70 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 24,000 का स्तर पार किया था, लेकिन क्लोजिंग ऑक्शन सत्र में अधिकांश बढ़त गंवा बैठा।बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सेंसेक्स के लिए 77,000 से 77,500 का स्तर निकटतम प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) रहेगा। इसके ऊपर 77,700 से 78,000 का दायरा मजबूत बाधा माना जा रहा है। यदि सेंसेक्स 78,000 के ऊपर टिकाऊ बढ़त दर्ज करने में सफल रहता है, तो इसमें तेजी का नया चरण शुरू हो सकता है और सूचकांक 78,500 से 78,800 की ओर बढ़ सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेंसेक्स अभी भी सुधार और समेकन के दौर में है। ऐसे में यदि मौजूदा स्तरों पर खरीदारी का समर्थन कमजोर पड़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है और सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। दूसरी ओर, निफ्टी के लिए 23,800 सबसे महत्वपूर्ण समर्थन स्तर (सपोर्ट लेवल) माना जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्तर के ऊपर बने रहना सूचकांक के लिए जरूरी होगा। यदि निफ्टी लगातार 23,800 के नीचे फिसलता है, तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और सूचकांक 23,600 के स्तर तक जा सकता है। ऊपर की ओर 24,000 से 24,200 का स्तर निफ्टी के लिए प्रमुख रेजिस्टेंस रहेगा। विश्लेषकों के अनुसार, जब तक निफ्टी इस दायरे को निर्णायक रूप से पार नहीं करता, तब तक बाजार में सतर्कता बनी रह सकती है

और निवेशक हर उछाल पर मुनाफावसूली कर सकते हैं।

दैनिक राशिफल सोमवार 07 सितम्बर 2026

मेष – धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी।

वृष – घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है।

मिथुन : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, डूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें।

कर्क – थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा।

सिंह– पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या – प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

तुला – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी।

वृश्चिक – पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है।

धनु – शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

मकर – रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ।

कुंभ – आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मीन – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

7 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.30 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.41 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.56 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.12 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.17 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.03 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.36 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.47 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.45 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	01.58 बजे से
बजे तक		सिंह	04.15 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 250 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 17.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 18.14 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 06.41 बजे तदनन्तर वरीयान 03.38 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 06.17 बजे, बालव 17.05 बजे तदनन्तर कौलव 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872825 **जूलियन दिन** 2461290.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 24 **विशेष** अजा एकादशी व्रत, बछ बारस द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

झारखंड महादेव देवालय में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

आकर्षक विद्युत सजावट और भव्य खाटू श्याम दरबार रहा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

खतौली। शिवपुरी स्थित प्राचीन झारखंड महादेव देवालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी विद्युत झालरों एवं आकर्षक रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया। मंदिर में भगवान भोलेनाथ के अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। वहीं बालाजी महाराज, माता बगलामुखी तथा नवग्रहों को फूलों की मालाओं और विद्युत सजावट से विशेष रूप से सजाया गया।

मंदिर परिसर में निमार्णाधीन खाटू श्याम मंदिर में भी खाटू श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। बाबा के विशेष श्रृंगार की सेवा सौरभ वर्मा ने की, जबकि दरबार की सजावट एवं अन्य व्यवस्थाओं में बृजेश चौहान व उनके साथियों का विशेष सहयोग रहा। संकीर्तन का शुभारंभ मुख्य यजमान मनोज उपाध्याय ने परिवार सहित बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के दौरान यज्ञाचार्य कमलेश मिश्रा एवं अनुराग शास्त्री ने विधि-विधान के साथ लड्डू गोपाल जी का अभिषेक कराया। मंदिर अध्यक्ष सुधीर गोयल ने पूजन-अर्चन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आरती संपन्न हुई तथा आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन आईटीआई के प्रधानाचार्य संजीव कुमार शर्मा ने

किया। इस अवसर पर मंदिर के संरक्षक वेद प्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष सुधीर गोयल, सचिव तरुण सूरी, कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता मदन छाबड़ा, मनोज उपाध्याय, संदीप अग्रवाल, बृजेश चौहान, विजय माहेश्वरी, आदित्य उपाध्याय, सुनील कुमार अलीपुर, अशोक कुमार शर्मा, सुनील बजाज, अनिल वर्मा ज्वैलर्स, प्राची अग्रवाल, उपासना अग्रवाल, मिथलेश माहेश्वरी, शशि भारद्वाज, वामिका चौहान, कमलेश देवी, ममता बजाज, कृष्णा वर्मा, शशि उपाध्याय, आरती, ऐशवती गोस्वामी, नीरज मिश्रा, प्रमोद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिद्ध पीठ के रूप में प्रसिद्ध है झारखंड महादेव देवालय

झारखंड महादेव देवालय को क्षेत्र में एक सिद्ध पीठ के रूप में जाना जाता है।

बताया जाता है कि यह मंदिर मराठा कालीन है और पहले चारों ओर घनी झाड़ियां होने के कारण इसका नाम झारखंड महादेव पड़ा। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि बाबा के दरबार में श्रद्धा और विश्वास के साथ मनोकामना लेकर आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जन्माष्टमी महोत्सव में बड़ी संख्या में शिवभक्तों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की।

बालाजी मंदिर, मुकल्लमपुर रोड पर कोरी समाज की सामाजिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

मुजफ्फरनगर। वीरांगना झलकारी बाई कोरी एकता मंच (रजि०), मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में कस्बा मीरापुर स्थित श्री बालाजी मंदिर, मुकल्लमपुर रोड पर कोरी समाज की सामाजिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मीरापुर विधायक श्रीमती मिथलेश पाल जी के प्रतिनिधि के रूप में उनके पति अमरनाथ पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री अमरनाथ पाल ने कहा कि आज कोरी समाज राजनीतिक रूप से जागरूक समाज के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि जब से वीरांगना झलकारी बाई कोरी एकता मंच जैसे संगठन सक्रिय रूप से समाज को एकजुट करने का कार्य कर रहे हैं, तब से समाज निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक श्रीमती मिथलेश पाल एवं उनका परिवार कोरी समाज के साथ मजबूती से खड़ा है तथा समाज की

सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक उन्नति के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरी समाज के जाति प्रमाण पत्र की समस्या के समाधान के लिए विधायक के प्रयास सफल रहे हैं और भविष्य में भी पात्र लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी कराने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। संगोष्ठी में समाज की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक उन्नति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने और एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। विशेष रूप से जाति प्रमाण पत्र की समस्या, समाज को उसका हक एवं अधिकार दिलाने तथा राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों से बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इनमें गोपाल मास्टर, प्रमोद टण्डेड़ा, महेंद्र कोरी टन्धेड़ा, अमरनाथ कोरी, अर्जुन कोरी, मनोज कोरी , जयभगवान कोरी, बालेश्वर सिंह, जीत कोरी, राहुल कोरी, हरिओम, ओमवीर, रजनीश कोरी ,माल सिंह कोरी, मुकेश कोरी सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य लोग शामिल रहे।

शाहपुर में गुरु गोरखनाथ जी की मूर्ति स्थापना, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

खतौली। खतौली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम शाहपुर स्थित पावन गुरु गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ जी की मूर्ति स्थापना का भव्य एवं पावन कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की और गुरु गोरखनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में गुरु गोरखनाथ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्वनी उपाध्याय, गुरु गोरखनाथ मंदिर के महंत मोनू स-ावरकर सहित क्षेत्र के सम्मानित कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मूर्ति की स्थापना की गई। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं सामाजिक सद्भाव की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की शिक्षाएं समाज को सेवा, धर्म, संस्कार और मानवता के मार्ग पर

चलने की प्रेरणा देती हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की कि गुरु गोरखनाथ जी की कृपा एवं आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे तथा क्षेत्र में धर्म, सेवा और संस्कार की ज्योति निरंतर प्रज्वलित होती रहे। आयोजन के समापन पर आयोजकों ने कार्यक्रम में सहयोग एवं सहभागिता करने वाले सभी कार्यकताओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

पहाड़ों की बारिश से मुजफ्फरनगर के खादर में बाढ़ जैसे हालात, दर्जनों गांवों पर संकट

गन्ना-धान की फसलें पानी में डूबीं, रास्ते और स्कूल परिसर बने जलमग्न, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने राजापुर कला समेत प्रभावित गांवों का किया दौरा

मुजफ्फरनगर। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। पहाड़ों से लगातार आ रहे पानी के चलते मुजफ्फरनगर के पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र के खादर इलाके में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों के प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। खेतों में पानी भर जाने से बड़ी संख्या में किसानों की फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने भारी आर्थिक नुकसान का खतरा खड़ा हो गया है। खादर क्षेत्र में हालात लगातार चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। कई स्थानों पर खेतों में पानी भर जाने से गन्ना, धान और अन्य खरीफ की फसलें पानी में डूब गई हैं। किसानों को चिंता है कि यदि पानी लंबे समय तक खेतों में भरा रहा तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। इससे किसानों की महीनों की मेहनत और उनकी आमदनी पर सीधा असर पड़ने की आशंका है।

खेतों में भरा पानी, फसल बर्बाद होने की बढ़ी चिंता

खादर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ के पानी ने खेती-किसानी के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। खेतों में कई जगह पानी की स्थिति ऐसी है कि फसलें पूरी तरह पानी में डूबी नजर आ रही हैं। गन्ने और धान के खेतों में पानी भरने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी की स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो फसलें खराब होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए प्रशासन की ओर से जल्द सर्वे कराकर उचित सहायता उपलब्ध कराने की जरूरत है।

गांवों को जोड़ने वाले रास्ते भी जलमग्न

बाढ़ के पानी का असर सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं है। कई गांवों को जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने वाले रास्ते भी पानी से प्रभावित हुए हैं। कुछ स्थानों पर मुख्य सड़कें और संपर्क मार्ग जलमग्न होने से आवागमन मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के जरूरी कामों के लिए आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी भरने के कारण ग्रामीणों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सड़क और आसपास का क्षेत्र एक जैसा नजर आ रहा है।

सरकारी स्कूलों के परिसर में भी

घुटनों तक पानी

खादर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ गांवों में सरकारी स्कूलों के परिसरों तक में घुटनों के बराबर पानी भर गया है। स्कूल परिसर तालाब जैसे दिखाई देने लगे हैं। स्कूलों के आसपास पानी जमा होने से बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों के सामने भी परेशानी खड़ी हो गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि जलस्तर और बढ़ा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

खादर क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात की सूचना मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार रविवार दोपहर करीब दो बजे अपने काफिले के साथ प्रभावित इलाकों में पहुंचे। मंत्री ने राजापुर कला सहित कई बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया और मौके पर पहुंचकर जमीनी हालात का जायजा लिया। मंत्री अनिल कुमार ने प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर बाढ़ के कारण पैदा हुई परेशानियों और फसलों को हुए नुकसान की जानकारी ली।

चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

दौरे के दौरान मंत्री ने ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाई। ग्रामीणों ने उन्हें जलभराव, रास्तों की स्थिति और खेतों में भरे पानी के बारे में जानकारी दी। किसानों ने विशेष रूप से फसलों को होने वाले नुकसान की चिंता मंत्री के सामने रखी। मंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सरकार और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं तथा प्रभावित किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दो घंटे से अधिक समय तक प्रभावित इलाकों में रहे मंत्री

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने अपने काफिले के साथ करीब दो घंटे से अधिक समय तक खादर क्षेत्र के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति देखी और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर समस्याओं की जानकारी ली। मंत्री के दौरे से ग्रामीणों को उम्मीद जगी है कि बाढ़ से प्रभावित किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाकर जल्द राहत दिलाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

फसलों के नुकसान का जल्द कराया जाएगा सर्वे : अनिल कुमार

मीडिया से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि उन्होंने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर जल्द सर्वे कराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जिन किसानों की फसलें बाढ़ के पानी से प्रभावित हुई हैं,

मीरापुर के भैरव मंदिर चोरी का तीन दिन में खुलासा, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मीरापुर। ग्राम गढ़ी रसूलपुर स्थित भैरव मंदिर में हुई चोरी का मीरापुर पुलिस ने तीन दिन बाद खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए दानपात्र की रकम में से 1623 रुपये बरामद किए हैं। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि 2 सितंबर 2026 को गढ़ी रसूलपुर स्थित भैरव मंदिर में लगे दानपात्र से अज्ञात चोर द्वारा नकदी चोरी कर ली गई थी। घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने तत्काल आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। इसी क्रम में पुलिस ने आदित्य उर्फ हरसु पुत्र योगेश त्यागी निवासी ग्राम सोहजनी तगान, थाना मंसूरपुर, जनपद मुजफ्फरनगर को मीरापुर के

सनातन धर्म इंटर कॉलेज, भूम्मा रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 1623 रुपये बरामद हुए।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि चोरी की घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी, जिस पर लोग लगातार खुलासे की मांग कर रहे थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच करते हुए आरोपी की पहचान की।

कार्रवाई में कस्बा इंचार्ज ओमेंद्र सिंह और कांस्टेबल मोहित कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

रिश्तेदारी में गया था परिवार, पीछे से घर में घुसा चोर; नकदी और लाखों के जेवर उड़ाए

मीरापुर। कस्बे में एक बंद मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोर ने करीब 68 हजार रुपये की नकदी और लगभग तीन तोले सोने के आभूषण चोरी कर लिए। पीड़ित ने मीरापुर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और चोरी का खुलासा किए जाने की मांग की है।

मीरापुर के मोहल्ला मुश्तर्क निवासी मौ. इरफान पुत्र मौ. हनीफ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 27 अगस्त 2026 को अपनी रिश्तेदारी में गया था तथा घर पर कोई मौजूद नहीं था। 5 सितंबर को वापस लौटने पर उसने देखा कि बैठक का दरवाजा खुला हुआ था। घर और दुकान की जांच करने पर दुकान के गल्ले से करीब 8 हजार रुपये तथा कमरे में रखी अलमारी से करीब 60

हजार रुपये की नकदी गायब मिली। इसके अलावा अलमारी में रखे सोने के तीन आभूषण, जिनमें एक जोड़ी झुमकी, गले का पेंडल और चेन शामिल हैं, भी चोरी कर लिए गए। पीड़ित के अनुसार घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखने पर पता चला कि 4 सितंबर को एक अज्ञात चोर छत का जाल उखाड़कर घर में दाखिल हुआ और पहले दुकान से नकदी चोरी की। इसके बाद उसने कमरे में रखी नकदी और आभूषण चोरी कर लिए। चोरी के बाद आरोपी ने सीसीटीवी कैमरे के तार काट दिए। बताया गया कि चोर अपना हथौड़ा भी मौके पर छोड़ गया।

पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराने की बात कही है। पुलिस से आरोपी की पहचान कर चोरी का माल बरामद करने की मांग की गई है।

सहारनपुर जाने की तैयारी कर रहे सपा नेताओं को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

मीरापुर। सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को मीरापुर से सहारनपुर जाने की तैयारी कर रहे सपा नेताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

बताया गया कि समाजवादी पार्टी के मीरापुर विधानसभा अध्यक्ष सादिक चैहान, जिला पंचायत सदस्य पति हाजी मूसा तथा रजनीश यादव सहारनपुर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान प्रशासन के निर्देश पर मीरापुर पुलिस सादिक चैहान के आवास पर पहुंची और तीनों नेताओं को घर से बाहर निकलने से रोक दिया। सम्भलहेडा चैकी प्रभारी भपेन्द्र सिंह ने पुलिस कर्मचारियों के साथ

उन्हें अपनी निगरानी में रखा और मीरापुर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। पुलिस की कार्रवाई के बाद सपा कार्यकताओं और समर्थकों में चर्चा शुरू हो गई। सादिक चैहान समेत अन्य नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक बताया। सपा नेताओं का कहना है कि सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद की गई कार्रवाई को लेकर पार्टी गंभीर है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से वार्ता की जाएगी और आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। चैकी प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार किसी भी स्थिति में क्षेत्र का माहौल खराब न हो, इसी के मद्देनजर नेताओं को घर से बाहर जाने से रोका गया।

जन्माष्टमी पर छोटा केदारनाथ मंदिर में भव्य आयोजन, देर रात तक उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

खतौली। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर खतौली-जानसठ तिराहा स्थित प्राचीन शिव मंदिर छोटा केदारनाथ में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, वहीं कान्हा जी के लिए फूलों से तैयार किया गया भव्य झूला श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और फूलों से सजे झूले के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। देर रात तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। जन्माष्टमी के पर्व को लेकर मंदिर कमेटी की ओर से मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर के साथ स्थित पुलिस चौकी को भी आकर्षक विद्युत सजावट और

फूलों से सजाया गया। रोशनी और फूलों की मनमोहक सजावट से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में नजर आया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर कमेटी के सदस्यों के साथ पुलिस प्रशासन भी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में जुटा रहा। कोतवाली प्रभारी दिनेश चन्द्र बघेल ने स्वयं मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए तथा सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं में जन्माष्टमी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर कमेटी की ओर से विवेक रहेजा, सचिन, मदन छाबड़ा, मोहित रहेजा, राजेंद्र सैनी, पुनीत अरोरा, माधव ठकराल, हर्ष सैनी, ध्रुव सपड़ा, नीरज जुनेजा, अभिषेक कौशिक, हर्ष रहेजा, रिद्धि अरोरा, स्मृति अरोरा, ज्योति कुमारी सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी सिटी अमृत जैन ने कसी पुलिस की नकेल, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

—गौकशी और संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के साथ लंबित मामलों के जल्द निस्तारण और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर जोर

मुजफ्फरनगर। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने नगर क्षेत्र के सभी क्षेत्राधिकारी, थानों के वरिष्ठ उपनिरीक्षक और क्राइम मुंशी के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। बैठक में अपराधों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अपराध रोकने और लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपराधों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने गोष्ठी के दौरान नगर क्षेत्र में सामने आ रहे अपराधों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए उनके त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित विवेचनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और प्रत्येक मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही अपराधियों पर कार्रवाई के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए। गौकशी के मामलों पर विशेष निगरानी

गोष्ठी में गौकशी एवं इससे संबंधित अपराधों की रोकथाम को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक नगर ने अधिकारियों को ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, आवश्यक पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराध रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

बैठक में संपत्ति संबंधी अपराधों की भी समीक्षा की गई। चोरी, लूट, वाहन चोरी सहित संपत्ति से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। पुलिस टीमों को पुराने और सक्रिय अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर जोर

एसपी सिटी ने विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए जाएं और आवश्यकतानुसार दबिश एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही अपराध की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अपराधियों पर प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने पर जोर

गोष्ठी के दौरान एसपी सिटी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थानों पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और पीड़ितों की समस्याओं का नियमानुसार समाधान कराया जाए। अपराध नियंत्रण के लिए थाना स्तर पर पुलिस की सक्रियता और आपसी समन्वय को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहना होगा।

ये अधिकारी रहे मौजूद

गोष्ठी में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार और क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राव सहित नगर क्षेत्र के सभी थानों के वरिष्ठ उपनिरीक्षक एवं क्राइम मुंशी मौजूद रहे। बैठक के अंत में अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए दिए गए निदेशों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

82 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट प्रियवृत सिंह बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी गया में हुई पासिंग आउट परेड, परिवार ने कंधों पर लगाए लेफ्टिनेंट के रैंक

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी बटालियन एनसीसी, मुजफ्फरनगर के सीनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट प्रियवृत सिंह ने सैन्य प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से 82 यूपी बटालियन के एनसीसी अधिकारियों, कैडेट्स और उनके परिवार में खुशी एवं गर्व का माहौल है।

82 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल ने बताया कि सैन्य प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत बिहार के गया स्थित ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी में भव्य पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। सैन्य परंपराओं के बीच आयोजित समारोह में नवनियुक्त अधिकारियों ने राष्ट्र सेवा की शपथ लेते हुए भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कस्बा ककरौली क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात के मूल निवासी प्रियवृत सिंह का पालन-पोषण ऐसे परिवार में हुआ, जहां शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। उनके दादा कृष्णपाल सिंह विकासखंड मोरना मुख्यालय स्थित महर्षि सुखदेव इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त शिक्षाविद् हैं। प्रियवृत सिंह प्रारंभिक शिक्षा के समय से ही

शैक्षिक एवं अनुशासित वातावरण में पले-बढ़े और उन्हें परिवार से जीवन मूल्यों एवं समाज सेवा के संस्कार मिले।

पासिंग आउट परेड के दौरान वह पल बेहद भावुक और गौरवपूर्ण रहा, जब दादा-दादी एवं माता-पिता ने प्रियवृत सिंह के कंधों पर लेफ्टिनेंट के रैंक लगाकर उन्हें भारतीय सेना में अधिकारी बनने पर आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर परिवार में खुशी, उत्साह और गर्व का माहौल रहा।

प्रियवृत सिंह के दादा कृष्णपाल सिंह ने कहा कि उनका भारतीय सेना में अधिकारी बनना 82 यूपी बटालियन एनसीसी, सहयोगी एनसीसी अधिकारियों, कैडेट्स और पूरे परिवार के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रियवृत सिंह अपने कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करते हुए परिवार और जनपद का नाम रोशन करेंगे।

प्रियवृत सिंह की इस उपलब्धि पर 82 यूपी बटालियन एनसीसी के अधिकारियों एवं कैडेट्स ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल सैन्य जीवन की कामना की।

जीडी गोयनका स्कूल में शिक्षक दिवस पर भव्य समारोह, शिक्षकों ने जमकर की मस्ती

होटल स्वर्ण इन में सजी यादगार शाम, फन गेम्स, क्विज और बॉलीवुड थीम ने बांधा समां

मुजफ्फरनगर। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर की ओर से शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शहर के प्रतिष्ठित होटल स्वर्ण इन में भव्य एवं रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. स्वाति शर्मा एवं वाइस प्रिंसिपल अंजलि आनंद की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं शिक्षकों के सम्मान के साथ हुआ। इसके बाद समारोह स्थल बॉलीवुड थीम पर आधारित संगीत, आकर्षक डांस प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों से गुलजार हो उठा। शिक्षकों के लिए विभिन्न सरप्राइज फन गेम्स एवं रैपिड-फायर क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के

विजेताओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।

संगीत की सुरीली धुनों पर शिक्षकों ने जमकर नृत्य किया और रोजमर्रा की शिक्षण व्यस्तताओं से अलग इस शाम को यादगार बनाया। समारोह में मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षकों के बीच आपसी सौहार्द एवं उत्साह का भी शानदार माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर होटल स्वर्ण इन के शानदार प्रांगण में सभी के लिए विविध प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों से युक्त शाही बफे भोज की व्यवस्था की गई।

विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. स्वाति शर्मा एवं वाइस प्रिंसिपल अंजलि आनंद ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में सभी शिक्षकों को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। शिक्षकों ने कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के आयोजन कार्यस्थल पर नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार करते हैं।

किसान बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई चौधरी जगबीर सिंह की 23वीं पुण्यतिथि

शांति यज्ञ में उमड़ा जनसैलाब, किसान-मजदूरों के हितों के लिए किए गए संघर्ष को किया याद

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय किसान मोर्चा के संस्थापक एवं किसान-मजदूरों की आवाज के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह की 23वीं पुण्यतिथि रविवार को किसान बलिदान दिवस के रूप में श्रद्धा, सम्मान और सद्भावना के साथ मनाई गई। दक्षिण सिविल लाइंस स्थित पूर्व मंत्री चौधरी योगराज सिंह के निजी निवास पर शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में लेखराज सिंह एवं माताजी राजदुलारी यजमान रहे। यज्ञ के उपरांत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, किसान संगठनों के पदाधिकारियों, खाप चौधरियों, सामाजिक कार्यकताओं और गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके किसान-मजदूर हितों के संघर्ष को याद किया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, बिजनौर सांसद चंदन चौहान, विधानमंडल दल के नेता एवं बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सांसद डॉ. संजीव बालियान ने भी यज्ञ में शामिल होकर आहुति दी और स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह को नमन किया। गठवाला खाप के थाम्बेदार बाबा श्याम सिंह जी,लाटियान खाप के चौधरी वीरेंद्र सिंह जी लाटियान जी,देशवाल खाप के चौधरी श्री शरणवीर सिंह देशवाल जी,सर्व खाप मन्त्री श्री सुभाष बालियान जी सहित विभिन्न खापों के चौधरियों ने भी शांति यज्ञ में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष तिरसपाल मलिक, जिलाध्यक्ष संजय राठी और मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर व सभी लोकदल कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने सहित बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में पहुंचकर स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह को याद किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री

चौधरी योगराज सिंह ने भावुक होते हुए कहा कि यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह के परिवार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उनके जीवनकाल में जो आत्मीयता और साथ मिला, वह आज भी कायम है। उन्होंने उपस्थित लोगों का आभार जताते हुए कहा कि सभी लोग आगे भी चौधरी जगबीर सिंह के बताए मार्ग पर चलते हुए किसान, मजदूर और समाज के जरूरतमंद लोगों के हित में कार्य करते रहें। चौधरी योगराज सिंह ने कहा कि चौधरी जगबीर सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों और मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित किया। उनका संघर्ष किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि वह समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की आवाज मजबूती से उठाते रहे। यही कारण है कि आज भी किसान और मजदूर उन्हें सम्मान और श्रद्धा के साथ याद करते हैं। मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि चौधरी जगबीर सिंह जैसे जनसेवी व्यक्तित्व को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने गरीबों, किसानों और मजदूरों के हक की आवाज को हमेशा मजबूती से उठाया।

कार्यक्रम में जनपद मुजफ्फरनगर सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक वर्गों के लोगों की मौजूदगी ने आपसी भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश दिया। शांति यज्ञ को आचार्य नरेश आर्य ने विधि-विधान से संपन्न कराया। श्रद्धांजलि यज्ञ में चौधरी धूमसिहं मुढभर,अरविंद आर्य गढ़ीनौआबाद, संजीव शाहजुड्डी, संदीप गोयला, संजय शर्मा सरनावली, चौधरी महीपाल सिंह, संजीव प्रधान करवाड़ा, कल्याण सिंह, चौधरी बिजेंद्र सिंह नगला सहित परिजनों और हजारों गणमान्य लोगों ने आहुति देकर स्वर्गीय चौधरी जगबीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का माहौल पूरे समय भावुक और श्रद्धापूर्ण रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि समय बीतने के साथ चौधरी जगबीर सिंह की स्मृतियां और उनके संघर्ष की विरासत और अधिक मजबूत होती जा रही है।

मुजफ्फरनगर में निरंकारी समागम: सहारनपुर जोन के श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, सत्संग से आता है जीवन में निखार-श्वेता कपूर

सहारनपुर जोन का जोनल स्तरीय निरंकारी इंग्लिश मीडियम समागम में जुटी जुटीं 40 शाखाएं

मुजफ्फरनगर। स्थानीय रुड़की रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के प्रांगण में जोनल स्तरीय 'इंग्लिश मीडियम समागम' अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस समागम में सहारनपुर जोन के अंतर्गत आने वाले मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली जनपदों की कुल 40 शाखाओं से जुड़े सैकड़ों बच्चों, युवाओं, महिलाओं और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए सफदरजंग (दिल्ली) से पधारीं बहन श्वेता कपूर जी ने कहा कि निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की पावन प्रेरणा से देशभर में इंग्लिश मीडियम समागम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी भाषा के माध्यम से भी सत्य और आध्यात्म के वैश्विक संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

सत्संग से मिलती है मन को स्थायी शांति

अपने आध्यात्मिक विचारों में बहन श्वेता कपूर ने कहा, "जब तक हम सत्संग के वातावरण में होते हैं, तब तक मन शांत और तनावमुक्त रहता है। लेकिन जैसे ही हम अपने दैनिक कार्यक्षेत्र, ऑफिस या बाजार में लौटते

हैं, तो वही शांति खो जाती है और तनाव जगह ले लेता है। हमारे जीवन में शांति तभी स्थायी रूप से बनी रह सकती है, जब सर्वशक्तिमान परमात्मा के साथ हमारा निरंतर जुड़ाव रहेगा।

तकनीक के युग में अंग्रेजी माध्यम का महत्व

उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज तकनीक और एआई (अक) के माध्यम से किसी भी भाषा को सीखना बहुत आसान हो गया है। युवाओं को अंग्रेजी माध्यम के सत्संग से जुड़ना चाहिए, जिससे भाषा के प्रति झिझक दूर होगी। आधुनिक भाषाओं के जरिए हम सतगुरु के संदेश को विश्व पटल पर आसानी से प्रसारित कर सकते हैं। उन्होंने बल दिया कि दुर्लभ मानव तन प्राप्त कर परमात्मा का बोध हासिल करने से ही इंसान के व्यवहार और बोली में नम्रता आती है।

गीत, कविता और नाटिकाओं से दिया सतगुरु का संदेश

समागम के दौरान युवाओं और बच्चों ने स्किट (लघु नाटिका), समूह गीतों, कविताओं और ओजस्वी विचारों के माध्यम से सतगुरु माता जी के दिव्य संदेश को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में सहारनपुर जोन के जोनल इंचार्ज श्री कुलभूषण चौधरी जी एवं संयोजक श्री हरीश कुमार जी ने पधारे हुए सभी संतों और श्रद्धालुओं का स्वागत, आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। समागम को सुचारू और सफल बनाने में निरंकारी सेवादल के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

भाविप का गुरु वन्दन-छात्र अभिनन्दन समारोह: 6 मेधावी छात्राओं व 4 शिक्षिकाओं का सम्मान

प्रधानाचार्य को पीत पटका पहनाकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। भारत विकास परिषद संकल्प मुजफ्फरनगर द्वारा भारतीय संस्कृति की महान गुरु-शिष्य परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से गुरु वंदन-छात्र अभिनंदनह्व समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जहाँ एक ओर ज्ञान की ज्योति जलाने वाले समर्पित गुरुओं के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई, वहीं दूसरी ओर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अभिनंदन कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

समारोह के पावन अवसर पर विद्यालय की छह सर्वश्रेष्ठ मेधावी छात्राओं को पीत पटका पहनाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले विद्यालय के चार शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य को

भी पीत पटका एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर विशेष रूप से अलंकृत किया गया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में प्रांतीय पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांतीय संयोजिका(महिला सहभागिता) आशा जैन,प्रांतीय प्रकल्प संयोजिका डॉ. नितिन जैन व सोनिया जैन, प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी राजकुमार अग्रवाल व सीमा रानी अग्रवाल (प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी), प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी नीना गोयल व कमल गोयल, भाजपा नेत्री रीना अग्रवाल और एसएचओ थाना सिविल लाइंस कर्मवीर सिंह तथा अन्य अतिथियों ने उपस्थित रहकर आयोजन की शोभा बढ़ाई और सम्मानित गुरुओं व बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन शिशुकांति गर्ग एवं निधि जैन ने संयुक्त रूप से किया। ये रहे मौजूद

समारोह को भव्य एवं सफल बनाने में भारत विकास परिषद 'संकल्प' के सदस्य अशोक तायल, सुभाष चंद्र गुप्ता, विष्णु स्वरूप अग्रवाल, जगदीश पालीवाल, अवनीश गोयल, अरुण राजवंशी, डॉ. अजय गर्ग, शिशु कांत गर्ग, सीए अश्विनी कुमार वर्मा, अनुज माहेश्वरी, मनोज अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, अभिषेक जैन, मनोज महेश्वरी तथा निधि जैन का विशेष व सराहनीय सहयोग रहा।

मुठभेड़ में 15 हजार के इनामी समेत दो हिस्ट्रीशीटर घायल, गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग का आरोप, जवाबी कार्रवाई में लगी गोली; गौवंश, गोकशी के उपकरण, चोरी की बाइक और अवैध हथियार बरामद

खतौली । थाना रतनपुरी पुलिस ने शनिवार को टोडा-नंगला मार्ग पर हुई कथित पुलिस मुठभेड़ के दौरान 15 हजार रुपये के इनामी बदमाश समेत दो शातिर एवं हिस्ट्रीशीटर आरोपियों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी गोकशी के मामलों में भी वांछित रहे हैं। मुठभेड़ के बाद उनके कब्जे से एक जीवित गौवंश, गोकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण, चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध हथियार व कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक थाना रतनपुरी पुलिस टीम शनिवार को ग्राम टोडा-नंगला मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान चकरोड पर एक मोटरसाइकिल खड़ी दिखाई दी। पुलिस टीम जब बाइक की जांच के लिए मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद दो युवकों ने पुलिस टीम को देखकर कथित रूप से जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिसकर्मियों ने खुद को सुरक्षित करते हुए आरोपियों को आत्मसमर्पण

की चेतावनी दी, लेकिन पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फायरिंग जारी रखी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों आरोपी गोली लगने से घायल हो गए।

घायल आरोपियों की पहचान रिजवान पुत्र बाबू और रिहान पुत्र बाबू, निवासी ग्राम रियावली नंगला, थाना रतनपुरी के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

गौवंश समेत यह सामान बरामद

पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से एक जीवित गौवंश, चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या उ्छ7रअए9497, दो छुरी, दो दाव और लकड़ी के गुटके बरामद किए गए। इसके अलावा 315 बोर के दो तमंचे, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस तथा 12 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया।

रिजवान पर 15 हजार रुपये का इनाम

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रिजवान थाना रतनपुरी का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में गोकशी, गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, चोरी सहित अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। रिजवान थाना भोजपुर, गाजियाबाद में दर्ज एक मुकदमे में वांछित चल रहा था और उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

वहीं दूसरा आरोपी रिहान भी थाना रतनपुरी का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। उसके खिलाफ भी गोकशी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुठभेड़ में शामिल पुलिस टीम

मुठभेड़ करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार, उपनिरीक्षक नेमपाल सिंह, उपनिरीक्षक अनुभव चौधरी, हेड कांस्टेबल नवीन तथा कांस्टेबल विष्णु, शिवकुमार और प्रमोद कुमार शामिल रहे।

आस्था और उल्लास से सजा खतौली, ऐतिहासिक छड़ियांन मेले का शुभारंभ

पूजा-अर्चना के बाद एसडीएम, पालिकाध्यक्ष व सीओ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया उद्घाटन

खतौली। गोगा जाहरवीर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद ऐतिहासिक श्रावणी छड़ियांन मेले का विधिवत शुभारंभ किया गया। एसडीएम डॉ. ललित मिश्रा, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू, सीओ रुपाली रॉय एवं अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। मेले के शुभारंभ के साथ ही खतौली आस्था और उल्लास के रंग में रंग गया।

इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि मेले हमारी साझा विरासत और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। छड़ियांन मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि खतौली की वर्षों पुरानी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस बार मेले को पहले से अधिक बेहतर और आकर्षक बनाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने बताया कि पालिका की ओर से आयोजित होने वाले अखिल

भारतीय कवि सम्मेलन, ऑल इंडिया मुशायरा, रागिनी प्रतियोगिता और बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न आयोजन मेले का विशेष आकर्षण होंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम

एसडीएम डॉ. ललित मिश्रा ने कहा कि मेले का संचालन पूरी तरह व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से कराया जाएगा। आपात स्थिति से निपटने के लिए अप्पू घर में दो आपातकालीन गेट बनाए गए हैं। इसके साथ ही अग्निशमन वाहन की व्यवस्था भी की गई है।

मेला ठेकेदार गुलफाम ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सड़क से लेकर अप्पू घर तक करीब 90 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेला परिसर में श्रद्धालुओं और दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया गया है।

सीओ रुपाली रॉय ने कहा कि मेले में असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ ही एंटी रोमियो टीम को भी सक्रिय रखा जाएगा।

दूर-दराज से पहुंचते हैं श्रद्धालु और दर्शक

गोगा जाहरवीर मंदिर पर आयोजित होने वाला श्रावणी छड़ियांन मेला पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख आयोजनों में शामिल है। मेले में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और लोग पहुंचते हैं। मेले के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

उद्घाटन अवसर पर जलकल विभाग के विपिन कुमार, रंजन, श्रवण कुमार बाबू, संदीप अग्रवाल, कपिल नागर, भाजपा नेता अनुज सहरावत, कांग्रेस नेता मुकेश शर्मा, सभासद अजय भुर्जी, अमित त्यागी, सौरभ जैन, असद उर्फ शालू, दानिश मिर्जा, डॉ. हारून मलिक, हाजी वसीम, मास्टर सत्तार, कपिल मोतला, विनोद शेरवान, कमल वर्मा, मुकेश शर्मा, पूर्व सभासद शाहनजर उन्स सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महारास आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक : गंगोत्री तिवारी मृदुल

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास ने सुनाया महारास एवं उद्धव प्रसंग, माता-पिता के सम्मान का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर। शिव मंदिर रामपुर, मुजफ्फरनगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास गंगोत्री तिवारी मृदुल जी महाराज ने श्रद्धालुओं को महारास के पावन प्रसंग का श्रवण कराया। महाराज जी ने कहा कि आत्मा और परमात्मा के मिलन को ही महारास कहा जाता है। महारास भगवान श्रीकृष्ण और गोपियों के निष्काम एवं निष्कपट प्रेम का दिव्य प्रसंग है।

उन्होंने कहा कि वेदों की ऋचाएं तथा त्रेतायुग के ऋषि-मुनि ही द्वापर युग में गोपी रूप में आए और भगवान श्रीकृष्ण के प्रेम में मंत्रमुग्ध हो गए। व्यास जी ने कहा कि गोपियों ने भगवान से निष्काम भाव से प्रेम किया। उनके प्रेम में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं था। भगवान श्रीकृष्ण के संदेश पर जब उद्धव जी गोपियों के बीच पहुंचे तो वे भी गोपियों के प्रेम

और भक्ति के सामने नतमस्तक हो गए।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान को निष्कपट और निःस्वार्थ प्रेम ही सबसे अधिक प्रिय है। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण नंद बाबा, माता यशोदा और समस्त गोप-ग्वालों के प्रेम को स्मरण कर भावुक हो जाते थे।

माता-पिता के चरणों में सभी तीर्थों का वास महाराज जी ने उद्धव प्रसंग का वर्णन करते हुए माता-पिता के सम्मान का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के चरणों में सभी तीर्थों का वास होता है। जिसने अपने माता-पिता को संतुष्ट कर लिया, उसने परमात्मा को संतुष्ट कर लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि जीवन में चाहे कितनी भी बातें भूल जाएं, लेकिन माता-पिता को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस दौरान हर बात को तुम भूलो ही मगर मां-बाप को मत भूलना गीत प्रस्तुत किए जाने पर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावुक हो उठे और अनेक श्रोताओं के नेत्र सजल हो गए।

पूर्वजों का किया पूजन

कथा के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप एवं पारुल बंसल ने सपरिवार व्यास पीठ के साथ अपने पूर्वजों का पूजन किया। इस अवसर पर रामभूल सिंह, प्रदीप राणा, बिट्टू राणा, सुबोध सिंह, बृजमोहन सिंह, संजय सिंह, अमित रावल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

धान को बचायें कीट-रोगों से

बचाव हेतु

मैन्कोजेब 3 ग्राम / प्रति लीटर पानी में घोल का छिड़काव करें.

- **पत्तियों की धारियां** – यह रोग अगस्त माह में फसल में लगता है. शुरू में पत्तियों पर पीले रंग की लम्बी धारियां दिखाई देती है बाद में भूरे रंग की हो जाती है.

बचाव हेतु -

बोने से पहले 30 ग्राम दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 50 लीटर पानी में घोल बनाकर 25 किलोग्राम बीज को 10 घंटे तक डुबोकर बीजोपचार करें.

- **पत्तियों का झुलसन रोग–** यह रोग धान की फसल में अगस्त के महीने में लगता है. शुरू में पत्तियों पर हल्के लाल धब्बे बनते हैं बाद में यह धब्बे तनों तक फैल जाते हैं व बड़े आकार के हो जाते है जिससे पत्तियां झुलसी हुई दिखाई देती हैं.

बचाव हेतु

बोने से पहले कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा प्रति किलो बीज में मिलाकर बीजोपचार करें एवं एडीफेनकाम को 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर 15 दिनों के अंतर पर छिड़काव करें.

- **धान का खैरा रोग–** यह रोग भूमि में जस्ते की कमी के कारण होता है यह रोग फसल में पौध घर से लेकर बाढ़ की अवस्था में रोग के लक्षण दिखाई देते हैं. पौध रोपण के 15-25 दिन बाद ही पुरानी पत्तियों के आधार भाग में हल्के पीले रंग के धब्बे दिखाई देते है.

बचाव हेतु

- जिंक सल्फेट 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई से पहले प्रयोग करना चाहिए.
- पौध रोपण से पहले पौध को 0.4 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल में 12 घंटे तक डुबोकर रोपण करें.
- खड़ी फसल में 1000 लीटर पानी में 5 किलो ग्राम जिंक सल्फेट तथा 2.5 किलो ग्राम बिना बुझे चूने के घोल का मिश्रण बनाकर उसमें 2 किलोग्राम यूरिया मिलाकर छिड़काव करने से रोग का निदान तथा फसल की बढ़वार में वृद्धि होती है.
- कुछ जातियों में खैरा रोग का प्रकोप कम होता है जैसे रतना, अन्नपूर्णा, कावेरी, साबरमती, पदमा, जया, पंकज,आई.आर.8, आई.आर. 20 इत्यादि जाति का चयन करना चाहिए.
- बोने से पहले 30 ग्राम दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 50 लीटर पानी में घोल बनाकर 25 किलोग्राम बीज को 10 घंटे तक डुबोकर बीजोपचार करें.

- **कीट-गंगई कीट या गाल मिंज–** इसके द्वारा धान की फसल में औसतन 20-25 प्रतिशत क्षति प्रतिवर्ष होती है आकाश का घने बादलों से आच्छादित होना, वातावरण में नमी और कम तापक्रम इसके प्रकोप को बढ़ाने में सहायक होते हैं. चांदी के रंग का पोंगा बन जाता है और इससे प्रकोपित पौधा गुच्छेदार हो जाता है और इसमें बाली नहीं बनती है इल्ली एक परत पदार्थ भी उत्सर्जित करती है, जिसके कारण तने पर जगह-जगह फफोले दिखाई देते है और पौधे की वृद्धि रुक जाती है.

बचाव हेतु

- क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी. 0.20 प्रतिशत के एक प्रतिशत घोल में पौधों की जड़ें 12 घंटे अथवा एक प्रतिशत यूरिया के साथ उपरोक्त दवा के घोल में 3 घंटे तक जड़ों को डुबोकर रोपाई करना चाहिए.
- इसके बाद खेत में पानी भरकर फोरेट 10 जी दानेदार दवा 10 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर या कार्बोफ्यूरान 3 प्रतिशत दानेदार दवा 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मिलायें.
- कीट प्रतिरोधक जातियां जैसे आशा, समृद्धि, रूचि, फाल्गुना आदि का प्रयोग करें. प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें.

फौजी या आर्मीवर्म कीट- इसकी सूंड़ी अवस्था हानिकारक होती है. नव विकसित सूंडी धान की पत्तियां खाती हैं तथा उसमें केवल मोटी शिरायें बचती है. बड़ी होने पर ये इल्लियां सबसे अधिक हानि करती है.वाली निकलने की अवस्था में यह तने से बाली को रात में काटकर खाती है. जिससे दाना भरने से पहले ही वाली जमीन में गिर जाती है दिन में यह कीट धान के कल्लों एवं जड़ों के पास छिपा रहता है तथा रात्रि में सक्रिय रहकर फसल को हानि पहुंचाता है, ये कीट एक खेत से दूसरे खेत में एक साथ चलकर पहुंचता है इसलिये इसे फौजी कीट कहते हैं. यह कीट खाता कम है व नुकसान ज्यादा करता है.

बचाव हेतु- इंडोसल्फॉन 40 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर भुरकाव करें या क्विनालफॉस 25 ईसी या क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी एल. 2 मिली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

सफेद फुदका- यह कीट सफेद रंग का होता है पीठ के अतिरिक्त इसका रंग स्लेटी होता है. वयस्क अवस्था में पीठ पर एक काली धारी होती है. यह कीट धान के खेत में शिशु एवं वयस्क अवस्था में पानी की सतह के पास से पौधों से रस चूसते है. जिससे पत्तियां पीली पड़कर सिरे से सूखने लगती हैं इस कीट द्वारा उत्सर्जित मधुरस से पत्तियों पर फफूंद विकसित हो जाती है जिससे रोग लगने की संभावना अधिक हो जाती है. वयस्क मादा 100-250 अंडे समूह में पत्तियों की मुख्य शिरा के पास देती है जिससे 4-6 दिनों में शिशु निकलते हैं.

बचाव हेतु- डायमिथियेट 30 ईसी 750 मिली. या इण्डोसल्फान 35 ईसी 1-1.25 लीटर दवा व 700-800 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर पानी का प्रयोग करना चाहिए.

रोग

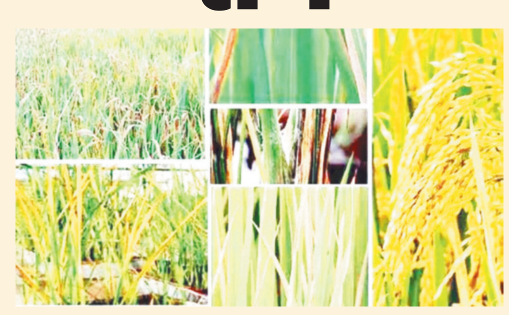

पत्तियों का अंगमारी रोग- यह रोग धान की फसल में अगस्त के महीने में लगता है. पत्तियों के शिरे व किनारों पर भूरी धारियां बनते-बनते पूरी पत्तियां झुलसी सी दिखाई देती हैं.

गंधी बग

इस कीट का प्रकोप धान की फसल पर जुलाई से नवम्बर मध्य तक सक्रिय रहता है हल्की वर्षा इसके लिये उपयुक्त होती है.

बचाव हेतु

इंडोसल्फॉन या क्विनालफास 25 ईसी या क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी एल 1-1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें.

ज्वार के प्रमुख कीट-रोग एवं प्रबंधन

ज्वार खरीफ की एक महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह अधिक तापमान सहकर भी अन्य खाद्यान्नों की अपेक्षा अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। ज्वार के दानों का प्रयोग चपाती, बिस्कुट, केक, पापड़ बनाने के अतिरिक्त मदिरा, इथेनाल, स्टार्च, गुड़ आदि भी तैयार करने में आता है। ज्वार की फसल में बुवाई से लेकर दाना पकने की अवस्था तक कीटों के नियंत्रण तथा उचित प्रबंधन से अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।

शूट फ्लाई– यह कीट अंकुरण के प्रथम सप्ताह से चार सप्ताह तक क्षति पहुंचाता है। छोटी-छोटी लटें पौधे के अग्रभाग में घुसकर मुख्य प्ररोह को क्षति पहुंचाती हैं जो सूखकर मृत केन्द्र बनता हैं।

नियंत्रण – मानसून वर्षा के 7 दिन में बुवाई करें। बीज दर बढ़ाकर काम लें जिससे क्षतिग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करने पर पौधों की संख्या कम न हो। फोरेट 20 किग्रा. प्रति हेक्टर बुवाई के समय मृदा में मिलावें। मेलाथियान 2 मिली. प्रति लीटर पानी का घोल फसल की 7 से 14 दिन की अवस्था में छिड़काव करें।

तना छेदक – यह फसल को दो सप्ताह तक पकने में हानि पहुंचाता रहता है। इस कीट की लटें फसल के शीर्ष पोरों को खाती रहती हैं, जिससे निचली पत्तियों में समानान्तर छेद हो जाते हैं जो आरपार दिखाई देते हैं। भारी प्रकोप होने पर प्रारंभिक अवस्था में पौधों में मृत केन्द्र विकसित हो जाते हैं।

नियंत्रण– फसल कटाई के बाद अवशेषों को जलाकर नष्ट करें. कीट के प्रकोप दिखने पर फ्यूराडान 3 जी या कार्बोरिल 3 जी 8 से 12 किग्रा प्रति हेक्टर पौधों की 20 व 35 दिन की अवस्था में पोरों में डालें।

बरूथी– यह कीट पत्तियों की निचली सतह का रस चूसते रहते हैं जिससे पत्तियां हल्की पीली पड़ने लगती हैं और बाद में इनकी ऊपरी सतह लाल या भूरी, पीली दिखाई पड़ती है। पत्तियों की निचली सतह पर जाले दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण– डायमिथियेट 1 लीटर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पर्णपुदका – इस कीट का आक्रमण बेमौसम एवं पेड़ी ज्वार में अधिक होता है। यह कीट पौधे के नरम भाग (प्ररोह) का रस चूसकर हानि पहुंचाता है जिससे पौधे का हरापन कम हो जाता है व प्ररोह सूखकर मर जाता हैं।

नियंत्रण – मैटासिस्टाक्स कीटनाशी 1 लीटर दवा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव प्रति हेक्टर करें।

रोग

दाना फफूंद – दाना पकते समय वर्षा अथवा नमी से यह तेजी से फैलता है। ज्वार के दानों पर काली, सफेद, गुलाबी या भूरे रंग की फफूंद दिखाई देती है जो दानों का वजन व गुणवत्ता को कम कर देती है। इसके द्वारा विषैला तत्व मारकोटोक्सिन बनता है जो मनुष्य व पशुओं के लिये हानिकारक है।

नियंत्रण – फसल पकते समय वर्षा होने पर या नमी रहने पर कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

अर्गट या गूंदिया – दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्त्राव बूंदों के रूप में जमा होता है. बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

नियंत्रण – खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

कंडुआ रोग – ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंड रोग लगते हैं। इनका पता सिट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंड में सिट्टे के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंड में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती हैं जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ-कंड में सिट्टे के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनायें बनती हैं. शीर्ष कंड में पूरा सिट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

प्रबंधन – खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढक कर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों को बुवाई पूर्व थायरम 4 ग्राम या वीटावैक्स 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा – ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जली धारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, ड्रेक्सलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से हैं। प्रबंधन - ये रोग बीजोढ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला देवें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुवाई के काम न लें।

कपास में रस चूसक कीट

कपास में समन्वित कीट प्रबंधन

वैकल्पिक विधियां — कृषि गत उपाय

कपास में कीट प्रबंधन हेतु इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कीट प्रबंधन कीट नियंत्रण की प्रभावी विधि साबित हो सकती है।

समन्वित कीट प्रबंधन– कीट नियंत्रण की विभिन्न वैकल्पिक विधियों का बुद्धिमत्ता से चुनाव एवं उपयोग कर अंत में आवश्यकता पड़ने पर कीटों की आर्थिक क्षति स्तर अवस्था पर ही कीटनाशक दवाओं का सूझबूझ के साथ उपयोग किया जावे ताकि अनुकूल प्राकृतिक सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम प्राप्त हो सकें।

यद्यपि यह प्रयास नया नहीं है परंतु अभी इसका प्रचलन सही तरीके से कृषकों तक प्रचारित एवं प्रसारित नहीं हो पाया है।

समन्वित कीट नियंत्रण क्या है? – कीटों को नियंत्रण करने की समस्त क्रियाओं जैसे कृषिगत, यांत्रिक, जैविक तथा रसायनिक का समावेश करके कीटों की संख्या को नियंत्रित करने को समन्वित कीट नियंत्रण या प्रबंधन कहते हैं।

समन्वित कीट प्रबंधन की आवश्यकता क्यों – कपास फसल की उन्नत एवं संकर किस्मों के लगातार उपयोग एवं अधिक उत्पादन प्राप्त करने की होड़ में प्रायः किसान भाईयों द्वारा अत्यधिक मात्रा में असंतुलित उर्वरक, सिंचाई एवं विभिन्न प्रकार के उपलब्ध कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध, अनावश्यक एवं गलत समय में उपयोग किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वातावरण जल एवं भूमि में प्रदूषण, प्राकृतिक असंतुलन, लाभदायक परजीवी एवं परभक्षी कीटों का नाश तथा विभिन्न कीटों में कीटनाशक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने की संभावना बढ़ने लगी है। जिसके कारण समन्वित कीट नियंत्रण/ प्रबंधन के उपयोग की आवश्यकता महसूस होने लगी है।

- पिछली फसल समाप्त होते ही खेत में जानवरों को चरावें तथा बचे अवशेषों को उखाड़कर/काटकर नष्ट करें साथ ही खेत की गहरी जुताई करें ताकि कीटों के अवशेष, अंडे इत्यादि नष्ट हो जावे।
- खेतों की मेढ़ों पर अन्य परपोषी पौधे जैसे जंगली भिंडी, अम्बाड़ी इत्यादि को काटकर जला दें।
- कपास की अंतरवर्तीय फसल जैसे कपास के साथ ज्वार, मक्का, सोयाबीन या चवला आदि लेने से कीट प्रकोप कम होता है।
- बोनी हेतु कीटरोधी किस्मों का चयन करें.
- रसायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। नत्रजन का अनावश्यक उपयोग न करें। साथ ही फसल की बढ़वार अधिक दिखाई देने पर वृद्धि नियंत्रक रसायन साईकोसिल का फसल पर उचित समय पर छिड़काव करें।
- फसल में खरपतवारों को न बढ़ने दें एवं समय-समय पर उनकी रोकथाम करें।
- जमीन के अनुकूल उपयुक्त पौध अंतरण पर बुआई की जावे।
- आवश्यकतानुसार सिंचाई कतार छोड़ पद्धति से करें।
- आवश्यक फसल चक्र अपनावे अर्थात् एक ही खेत में प्रतिवर्ष कपास न लें।

यांत्रिक उपाय

- हानिकारक कीटों के व्यस्क कीटों को ट्रेप कर नष्ट करने के लिये प्रकाश प्रपंच/फेरोमेन ट्रेप का प्रयोग करें।
- पक्षियों को बैठने हेतु बर्ड पर्चर 20-25 नग (टी आकार की लकड़ी की खूटियां) प्रति हेक्टेयर लगावें जिस पर पक्षी बैठ सके एवं कीटों को खाकर नष्ट कर सके।

जैविक उपाय

कपास फसल परितंत्र (इको सिस्टम) में लगभग 25-30 प्रकार के प्राकृतिक परजीवी, परभक्षी कीट एवं बीमारियां पाई जाती हैं जो किसान भाईयों को अति सूक्ष्म होने एवं पहचान नहीं होने के कारण दिखाई नहीं देते परंतु ये लाभदायक जीव अपना काम (कीट नियंत्रण) करते रहते हैं, एवं कपास के हानिकारक कीटों की संख्या पर अपना नियंत्रण करने का प्रयास भी करते रहते हैं। परंतु कीटनाशक दवाओं के असंतुलन एवं अत्यधिक उपयोग से ये लाभदायक कीट नष्ट हो जाते हैं, परिणामस्वरूप हानिकारक कीटों की संख्या में वृद्धि होने लगती है और ये कीट आर्थिक क्षति स्तर अवस्था को पार करके फसल एवं उसके डेण्डुओं को नुकसान पहुंचाकर नष्ट करने में सक्षम हो जाते है।

अतः किसान भाईयों से अपेक्षा है कि वे निम्न लाभदायक जीवों को पहचानें एवं इनका संरक्षण एवं संवर्धन कर कपास फसल को बचाएं।

परभक्षी क्रायसोपा – बाजार में उपलब्ध इस कीट के 1000 अंडे या इल्लियां / एकड़ के मान से कपास के खेत में माहो, सफेद मक्खी या चेपा का अधिक प्रकोप दिखाई देने की अवस्था में 8-10 दिनों के अंतराल पर दो बार छोड़ने से इन कीटों के प्रकोप में कमी आती है।

छिड़काव करते समय सावधानियां

- दो या दो से अधिक कीटनाशक दवाओं को बिना जानकारी के मिला कर छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- कीटनाशक दवाओं का घोल छिड़काव पम्प में ही बनाने के तरीकों को रोकना चाहिए।
- लगातार बार-बार एक ही कीटनाशक दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए तथा दवाओं को बदल-बदल कर उपयोग करें.
- सिंथेटिक पायराथ्राईड्स का उपयोग न करें इनके अनावश्यक प्रयोग से फसल में रस चूसक कीटों का प्रकोप होने की संभावना बढ़ होती है।
- छिड़काव हेतु पानी की मात्रा 500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करना चाहिए।
- तेज धूप व तेज वर्षा के समय छिड़काव कार्य नहीं करना चाहिए।
- बरसात के मौसम में छिड़काव कार्य करते समय वर्षा की संभावना हो तो दवा के घोल में चिपकने वाली दवा जैसे सेण्डोविट या टीपोल आदि मिलाकर ही छिड़काव करें।
- कीटनाशक दवाओं का उपयोग एक तकनीकी कार्य है, अतः इसका उपयोग निर्देशानुसार पूर्ण सावधानी सहित अपनाना चाहिए।

मोबाइल फोन झपटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा। सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने राहगीरों से मोबाइल फोन छीनने और चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक गिरोह का सरगना है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्नेचिंग और चोरी के 31 मोबाइल फोन, एक चाकू और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की। पुलिस के अनुसार आरोपी मोबाइल फोन छीनने के बाद उनका पासवर्ड तोड़कर पेटीएम और फोनपे के जरिए पीड़ितों के खातों से रकम अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते थे। इसके बाद मोबाइल फोन को कम कीमत पर राह चलते लोगों को बेच देते थे।

डीसीपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान 23 वर्षीय पुष्पेंद्र और 19 वर्षीय ध्रुव के रूप में हुई। दोनों को हल्दीराम कट की ओर जाने वाली सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी गाजियाबाद के कृष्णानगर बागू के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बाइक से घूमकर राह चलते लोगों को निशाना बनाते। उनका मोबाइल फोन छीनने के बाद उसका पासवर्ड तोड़कर उसमें मौजूद डिजिटल भुगतान ऐप का इस्तेमाल करते। बीते

दिनों एक पीड़ित ने शिकायत दी थी कि दो बाइक सवार बदमाश उसका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। आरोपियों ने मोबाइल से लिंक बैंक खाते का इस्तेमाल कर 93,500 रुपये निकाल लिए। इस मामले में सेक्टर-63 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़ित के बैंक खाते से ट्रांसफर किए गए 70 हजार रुपये को फ्रीज कराया। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पीड़ित का सैमसंग मोबाइल भी बरामद कर लिया। वारदात करने वाले आरोपी सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए थे।

कई लोगों को निशाना बनायाः पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने इसी तरीके से कई लोगों के मोबाइल छीने या चोरी किए। जब उनके पास बड़ी संख्या में मोबाइल जमा हो जाते तो वे उन्हें अपनी मजबूरी बताकर कम कीमत पर राह चलते लोगों को बेच देते। मोबाइल बेचने से मिलने वाली रकम को दोनों आपस में बांट लेते। आरोपी लोगों को डराने-धमकाने के लिए अपने पास चाकू रखते थे।

31 मोबाइल फोन बरामदः पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 31 मोबाइल फोन बरामद किए। इनमें 30 मोबाइल चोरी और स्नेचिंग के बताए गए, जबकि एक सैमसंग मोबाइल संबंधित मुकदमे से जुड़ा है। इसके अलावा पुलिस ने एक चाकू और बाइक भी बरामद की। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों की पहचान करने और गिरोह की अन्य वारदातों से इनके संबंध की जांच कर रही है।

दोनों आरोपियों पर पहले से मुकदमे दर्जः ध्रुव गिरोह का सरगना है। उसके खिलाफ गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में 10 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें चोरी, चोरी का सामान रखने, मोबाइल स्नेचिंग और आर्म्स ऐक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। आरोपी पुष्पेंद्र के खिलाफ सेक्टर-63 थाने में चार मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी-स्नेचिंग के मोबाइल खरीदने वालों की भी जानकारी जुटा रही है।

वर्टिकल व्यवस्था के जाल में उलझे नोएडा के विद्युत उपभोक्ता,जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर, केंद्रीकृत उत्पीड़न और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से हाहाकार

नोएडा। उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले और प्रदेश की आर्थिक रीढ़ माने जाने वाले हाइटेक शहर नोएडा के विद्युत उपभोक्ता आज बिजली विभाग की घोर उपेक्षा, जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर और दोषपूर्ण नीतियों के कारण प्रचंड मानसिक एवं आर्थिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। एक तरफ सरकार द्वारा 'हर घर बिजली' पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाले इस शहर का बिजली आपूर्ति ढांचा आज भी बीसियों वर्ष पुराना बना हुआ है। आधुनिक तकनीक से लैस होने की बजाय यह शहर लगातार तेज वोल्टेज के उतार-चढ़ाव (विद्युत विभवांतर), अनिश्चित बिजली के आने-जाने (फ्लक्चुएशन) और ट्रिपिंग की समस्या से त्रस्त है, जिसके चलते घंटों भी विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। इसके अतिरिक्त, यदि शहर में कहीं कोई केबल क्षतिग्रस्त या खराब हो जाती है, तो उसे बदलने में विभाग पूरी तरह असमर्थ साबित होता है, क्योंकि उनके पास आवश्यक व पर्याप्त संसाधनों का सर्वथा अभाव है। उचित संसाधन न होने के कारण केबल बदलने में अत्यधिक समय लगा दिया जाता है, जिससे निवासियों का जीना दूभर हो गया है।

बिजली विभाग की अव्यवस्था यहीं खत्म नहीं होती; नया कनेक्शन लेने वाले आम नागरिकों और नए उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डालते हुए उन पर जबरन 'अफोर्डेबल चार्ज' के नाम पर भारी-भरकम अनपेक्षित शुल्क थोप दिया गया है। जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण निर्बाध बिजली न मिलना और ऊपर से नए कनेक्शन पर इस प्रकार के अनुचित शुल्क वसूलना आम जनता का सीधा शोषण है।

विशेष रूप से, जब से बिजली विभाग द्वारा यह नई 'वर्टिकल व्यवस्था' लागू की गई है, तब से पूरे नोएडा शहर के विद्युत उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा हुआ है। उपभोक्ता केंद्रित व्यवस्था बनाने के बजाय विभाग ने शहर में केंद्रीकृत उत्पीड़न का मॉडल खड़ा कर दिया है। विद्युत बिल सही कराने के लिए पूरे शहर के निवासियों को सेक्टर-18 स्थित डीएलएफ मॉल के पास बने बिजली घर के चक्कर काटने पड़ते हैं। वहीं, मीटर संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए सेक्टर-18 स्थित पीएनबी बैंक के ऊपर कार्यालय बनाया गया है, जहाँ अत्यधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में गाड़ियाँ दूर खड़ी करके पहुँचना पड़ता है और लिफ्ट या उचित सुविधा न होने के कारण वृद्ध एवं बुजुर्ग उपभोक्ताओं का ऊपर चढ़ना अत्यंत दुष्कर हो जाता है। इसी प्रकार, नए विद्युत कनेक्शन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए शहरवासियों को सेक्टर-16 स्थित कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

इस नई नीति के कारण मैनपावर और संसाधनों का जो असंतुलन पैदा हुआ है, वह स्थिति को और अधिक भयावह बनाता है। पूरे शहर में लगभग 108 विद्युत उप-केंद्र हैं, लेकिन उनका जिम्मा मात्र दो अधिशासी अभियंताओं (एक्सएन) पर डाल दिया गया है। इतने बड़े हाइटेक शहर में यदि एक साथ चार स्थानों पर कोई तकनीकी फॉल्ट आ जाए या केबल क्षतिग्रस्त हो जाए, तो सीमित अधिकारियों, कर्मचारियों और संसाधनों की कमी के कारण मरम्मत कार्य में अत्यधिक देरी होती है और लगातार घंटों भी विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। पूर्व में लागू स्थानीय व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ और व्यावहारिक थी, जहाँ नागरिक अपने नजदीकी विद्युत उप-केंद्र पर जाकर समस्याओं का त्वरित समाधान पा लेते थे, किंतु इस नई वर्टिकल नीति ने उपभोक्ताओं का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

जीबीएनएसआईए द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

नोएडा। शिक्षक दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध नगर साउथ इंडियन एसोसिएशन (जीबीएनएसआईए) ने आज शाम गणेश मंदिर, सेक्टर-22, नोएडा में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के सम्मान में प्रतिष्ठित शिक्षिकाओं में श्रीमती इंदिरा पद्मनाभन, श्रीमती कुमुधा गुरुमूर्ति और श्रीमती विष्या बालाजी को सम्मानित किया गया।एसोसिएशन ने हाल ही में आयोजित सीबीएसई कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। कुमारी अनन्या सुरेश, कुमारी साई सिंजना, कुमारी धृति रंजीत,मास्टर कृतिक हरिहरन को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में डॉ. के. अरुणाचलम, अध्यक्ष, जीबीएनएसआईए ; श्रीमती राजेश्वरी थियागराजन, महासचिव; मुरली, संयुक्त सचिव-ढ्ढ; श्रीराम रवि, संयुक्त सचिव-ढ्ढढ्ढ; श्रीधर अय्यर, कोषाध्यक्ष; श्रीमती लता सोमस्कंदन तथा कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर समिति की श्रीमती जानकी भी समारोह में उपस्थित थीं।

यह समारोह बड़े उत्साह, गरिमा और सम्मान के साथ आयोजित किया गया। यह अवसर समर्पित शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने तथा मेधावी विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचान देने के लिए एक यादगार आयोजन साबित हुआ।

शिक्षक दिवस पर समाजवादी पार्टी ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन एवं चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

नोएडा। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर समाजवादी पार्टी द्वारा नोएडा में एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन सेक्टर 33 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन मे किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने की, जबकि पूर्व महानगर अध्यक्ष रेशपाल अवाना एवं वरिष्ठ नेता सूबे यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संयोजन एवं सफल संचालन समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट गौरव सिंघल द्वारा किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विशिष्ट अतिथि पूर्व महानगर अध्यक्ष रेशपाल अवाना एवं सूबे यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र के निर्माण और नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण में

शिक्षकों की भूमिका सर्वोपरि है। समाजवादी पार्टी सदैव शिक्षकों के मान-सम्मान, पुरानी पेंशन योजना की बहाली तथा वित्तविहीन व मानदेय शिक्षकों की लंबित मांगों के समर्थन में पूरी मजबूती से खड़ी रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकारों के दौरान उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए गए थे। युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए लैपटॉप वितरण और आधुनिक शिक्षण संस्थानों की स्थापना जैसी जनकल्याणकारी नीतियां माननीय अखिलेश यादव जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम थीं।प्राथमिक माध्यमिक ओर उच्च शिक्षा प्रदेश में कम से कम फ़ीस में छात्रो के लिये उपलब्ध करवाई जाएगी,

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन करते हुए सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट गौरव सिंघल ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण हैं और वर्तमान समय में शिक्षक वर्ग व युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ना समाजवादी पार्टी का मुख्य ध्येय है।

आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर गहन मंथनः गोष्ठी में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों और चुनावी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं और पदाधिकारियों ने जोर देकर कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को अभी से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर संगठन को अभेद्य बनाना होगा। जनता के बीच जाकर समाजवादी पार्टी की जनहितैषी नीतियों, विकास कार्यों और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) विचारधारा को मजबूती से पहुंचाना होगा, ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज कर माननीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में सरकार बनाई जा सके।ओर वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाई जाये,फ़ार्म 7 ज़्यादा से ज़्यादा भरवाये जाए।

प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने रखे विचारः गोष्ठी को संबोधित करते हुए अधिवक्ता सभा के महानगर अध्यक्ष रणपाल अवाना ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है और उनके विधिक व सामाजिक अधिकारों की रक्षा के लिए अधिवक्ता सभा हमेशा तत्पर है। बाबा साहब वाहिनी के अध्यक्ष हरपाल ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के संदेश को दोहराते हुए वंचित व कमजोर वर्गों तक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने पर बल दिया। सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल यादव ने युवाओं व छात्रों से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि सपा सरकार के दौरान छात्रों के हित में ऐतिहासिक फैसले लिए गए थे और आज का युवा वर्ग सपा की छात्र-हितैषी नीतियों के साथ मजबूती से खड़ा है। सुनीता शारदा, बाबूलाल बंसल, विपिन अग्रवाल, मनोज गोयल, विवेक यादव ने भी गोष्ठी को संबोधित किया।

युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष विकास जैन ने टीम के साथ विभिन्न मंदिरों में की पूजा अर्चना लिया भगवान का आशीर्वाद

नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर नोएडा में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने संगठन की नवरत्न टीम एवं पदाधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित जन्माष्टमी के धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की पूजा-अर्चना, आरती एवं दर्शन कर समाज, प्रदेश और व्यापारी जगत की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

इस्कॉन मंदिर में विशेष पंचामृत स्नानः जन्माष्टमी के अवसर पर इस्कॉन मंदिर, सेक्टर-33 में आयोजित कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की नवरत्न टीम द्वारा भगवान श्रीकृष्ण का विशेष पंचामृत स्नान विधि-विधान से कराया गया। इसके पश्चात भगवान की आरती एवं पूजा-अर्चना कर उनकी महिमा का गुणगान किया गया।

इस अवसर पर इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित श्री बंसीधर जी का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पंडित बंसीधर जी ने भगवान श्रीकृष्ण

की भक्ति, सेवा और सनातन संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इसके अलावा सेक्टर-19 स्थित मंदिर तथा सेक्टर-100 स्थित लोटस ब्लूवर्ड परिसर के मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रमों में भी विकास जैन एवं संगठन के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। विभिन्न कार्यक्रमों में भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं जन-मानस को देती हैं नई जागृति : विकास जैन

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं और उनका कीर्तन जन-मानस को भीतर तक प्रेरित करने का कार्य करते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, कर्म, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की सीख देता है। उनकी प्रत्येक लीला में जीवन के लिए कोई न कोई महत्वपूर्ण संदेश छिपा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं समाज में नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और नई जागृति का संचार करती हैं।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार, सामाजिक जीवन और कर्म में भी उतारें।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जिंदल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, प्रदेश सचिव शिवा चौहान, प्रदेश महामंत्री एवं ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष सचिन गोयल, जिला सचिव विवेक अग्रवाल, प्रदेश पदाधिकारी सचिव सुरेंद्र गर्ग, जिला उपाध्यक्ष निशांत गर्ग, मोटिवेशनल स्पीकर अंकित जैन, युवा व्यापारी नेता हिमांशु बंसल मित्तल सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य सपरिवार शामिल हुए।

जन्माष्टमी के विभिन्न कार्यक्रमों में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की आरती कर देश, प्रदेश, नोएडा तथा समस्त व्यापारी समाज की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

रोडीज़ आइकॉनिक सफर की धमाकेदार वापसी, पहली बार छह गैंग लीडर्स के साथ दिल्ली में

नोएडा। शनिवार को दिल्ली में रोडीज़ - रिबर्थ का जोश अपने चरम पर पहुंच गया, जब इस लंबे समय से लोकप्रिय एडवेंचर रियलिटी शो के मेकर्स ने दिल्ली में एक खास प्रेस मीट का आयोजन किया। इस मौके पर ओल्ड गैंग लीडर्स रोडी रणविजय सिंह, और न्यू गैंग लीडर्स की धमाकेदार टीम ने शो के अब तक के सबसे बड़े बदलाव का खुलासा किया।

दिल्ली में मौजूद शो के संभावित कंटेस्टेंट्स भी इस नए अंदाज़ के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थे। सबसे बड़ा सरप्राइज? इस सीज़न में रोडीज़ पुराने नियमों पर नहीं चलेगा। इस बार रोडीज़ का मुकाबला और भी बड़ा होने जा रहा है, क्योंकि पहली बार छह गैंग लीडर्स एक साथ नजर आएंगे। अनुभव, नई ऊर्जा और अलग-अलग गेम प्लान के साथ दो गैंग्स आमने-सामने होंगी।

एक ओर निखिल चिनापा, नेहा धूपिया और प्रिंस नरूला, जबकि

दूसरी ओर अभिषेक मल्हान, बानी जे और बेसर अली मुकाबले में उतरेंगे। रोडीज़ के इतिहास में पहली बार ओल्ड गैंग लीडर्स बनाम न्यू गैंग लीडर्स का यह अनोखा मुकाबला देखने को मिलेगा।

अनुभव, रणनीति, महत्वाकांक्षा और अलग-अलग व्यक्तित्वों के इस जबरदस्त मेल के साथ अगली पीढ़ी के रोडीज़ की तलाश और भी रोमांचक होने वाली है। इस बार गठजोड़, दुश्मनी, रणनीति और बदलते पावर गेम के साथ मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, मुश्किल और अप्रत्याशित होने वाला है। उत्साह से भरे माहौल में रणविजय सिंह, निखिल चिनापा, नेहा धूपिया, प्रिंस नरूला, अभिषेक मल्हान, बानी जे और बेसर अली दिल्ली मीडिया के सामने एक साथ आए और शो के नए कॉन्सेप्ट का खुलासा किया। इस बड़े ऐलान के बाद मीडिया के बीच भी खासा उत्साह देखने को मिला।

इस पूरे मुकाबले के केंद्र में एक ही सवाल है—फिनिश लाइन तक पहुंचने के लिए किसमें है सबसे मुश्किल चुनौतियों को पार करने का दम?

समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित हुए मोहित यादव

नोएडा। जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए पिछले करीब एक दशक से निरंतर कार्य कर रहे सिंगल स्टेप फाउंडेशन के संस्थापक मोहित यादव को उनके सामाजिक योगदान के लिए राजस्थान की संस्था नमो नारायण द्वारा सम्मानित किया गया।

मोहित यादव के नेतृत्व में सिंगल स्टेप फाउंडेशन लंबे समय से जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, सहायता एवं विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था का उद्देश्य आर्थिक परिस्थितियों से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

सम्मान प्राप्त करने पर मोहित यादव ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना और समाजहित में कार्य करना हमारा संकल्प है। आर्थिक मजबूरी के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

मोहित यादव को मिले इस सम्मान पर सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ 'कृष्णोत्सव'

नोएडा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन एवं शुभ अवसर पर नोएडा के सेक्टर-105 स्थित श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर प्रांगण में आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 कार्यकारिणी समिति द्वारा भव्य 'कृष्णोत्सव' का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न कराया गया। इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संध्या में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं के जयकारों तथा भक्तिमय भजनों से संपूर्ण वातावरण प्रभु श्रीकृष्ण के रंग में रंगा नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत के साथ हुआ। इसके उपरांत स्थानीय कलाकारों एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, रासलीला और सनातन संस्कृति पर आधारित एक से बढ़कर एक भावपूर्ण नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों की अलौकिक प्रतिभा और कलाकारों के जीवंत अभिनय ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया, जिससे पूरा मंदिर प्रांगण बारंबार तालियों की

गड़गड़ाहट और धार्मिक जयघोषों से गूंज उठा।

इस गरिमामयी समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. राजेन्द्र कुमार तिवारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने अपने संबोधन में आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी समिति द्वारा भारतीय अध्यात्म, सनातन मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहर को समाज व भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के इस सराहनीय प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

समारोह में आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से यही प्रार्थना है कि वे हमारे संपूर्ण राष्ट्र और प्रत्येक नागरिक पर अपनी असीम अनुकंपा बनाए रखें, हमारा प्रत्येक परिवार समृद्ध हो तथा सभी नागरिक उत्तम स्वास्थ्य और शांति प्राप्त करें।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए के महासचिव राजीव दुबलिश, उपाध्यक्ष रानी गौतम, कोषाध्यक्ष सुरेश बंसल, संयुक्त सचिव अनिल भदौरिया, कार्यकारिणी सदस्य उमेश माथुर, महेश चौहान तथा नवीन पालीवाल ने मुख्य रूप से उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शिवकुमार शर्मा, मनमोहन शर्मा, योगेश गर्ग, राकेश भाटी, ब्रह्म सिंह, मोनू चौहान, कपिल चौहान तथा विनोद शर्मा सहित अनेकों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अनिल रॉयल

फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

प्रदेश का प्रांतीय निर्वाचन अगले वर्ष 17-18 अप्रैल को लखनऊ में होगा : नरेश कुच्छल

नोएडा। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय कोषाध्यक्ष व नोएडा महानगर के चेयरमैन नरेश कुच्छल ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि आगामी प्रदेश का प्रांतीय निर्वाचन 17-18 अप्रैल 2027 में महाराजा अग्रसेन विद्यालय, मोतीनगर, लखनऊ में होना सुनिश्चित किया है, जिसमें प्रांतीय निर्वाचन के कार्यक्रम में सभी जनपद के पदाधिकारियों, जिला एवं नगर कमेटी की उपस्थिति अनिवार्य रहेगा। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है।

नरेश कुच्छल ने कहा कि निरन्तर प्रयासों से प्रदेश में कार्यरत 18 हजार से अधिक इकाइयों के कठोर परिश्रम एवं सरकार के 75 जनपद एवं व्यापार मंडल द्वारा गठित 35 जनपदों में व्यापार मण्डल की इकाईयां रात-दिन कार्य कर रही है। 21 महानगरों वाले जनपदों में लगभग 6500 व्यापार मंडल इकाइयां कार्यरत हैं। शेष 83 जनपदों में लगभग 11 से 12 हजार व्यापार मण्डल की सशक्त इकाइयां कार्यरत हैं। व्यापार मण्डल की कार्यविधियों के कारण अब जिस चौराहे पर केवल 25-30 दुकानें हैं, वहां भी व्यापार मण्डल गठित हो किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि देशभर में छोटे-बड़े 7 करोड़ व्यापारी कार्यरत हैं। उनके दुकानों पर काम करने वाले 7 करोड़ कर्मचारी कुल 14 करोड़ लोग प्रति सदस्यों के हिसाब से 70 करोड़ लोगों को रोजी-रोटी देने का महत्वपूर्ण काम कर रहा है। ग्राम सभा एवं नगर पंचायत से लेकर प्रदेश एवं देश को अरबों रुपयों का प्रतिवर्ष कर भुगतान व्यापारी वर्ग द्वारा किया जा रहा है जिससे देश की सभी योजनाओं के संचालन में काफी मदद मिलता है।

साथ ही व्यापारी समाज सरकार को आयकर, टीडीएस, जीएसटी, मंडी शुल्क एवं खाद्य विभाग सहित पांच प्रकार के टैक्स देकर ग्रामसभा, नगरपंचायत, प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार को चलाने में योगदान दे रहा है। व्यापारी वर्ग करदाता, कामदाता, समाजदाता, धर्म सेवी एवं प्रमुख देश सेवी है।

उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि मंडल द्वारा विधानपरिषद् एवं राज्यसभा में जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को 10 सीटों के आरक्षण की मांग की जा रही है। साथ ही सरकार से ऑनलाइन ट्रेडिंग जिससे खुदरा व्यापार प्रभावित हो रहा है, रोक लगाने की मांग काफी दिनों से की जा रही है।

इसके अलावा जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों का स्वास्थ्य बीमा सरकारी कर्मचारियों की भांति करने, जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों का दुकान जलने पर एक करोड़ रुपये का बीमा करने, सरकार द्वारा वसूल किया जाने वाला ब्याज 18 से घटाकर 9 प्रतिशत करने, विद्युत एवं गृहकर की कामर्शियल दरें घरेलू दरों के बराबर करने,बिजली बिल में फिक्स चार्ज एवं मिनिमम चार्ज को समाप्त करने, सम्पूर्ण देश में मंडी शुल्क की दर एक प्रतिशत करने, सभी विभागों के लाइसेंस आजीवन करने एवं सभी सर्वे छापे समाप्त करने की मांग की गई है।

श्री कुच्छल ने कहा कि दुर्घटना बीमा 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख एवं व्यापारी पेंशन 3 लाख से बढ़ाकर 10 हजार करने, जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता के आधार पर देने की मांग की गई है।

अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार गोयल ने जन्माष्टमी पर सह परिवार इस्कॉन मंदिर में किया अभिषेक

नोएडा। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में सम्मिलित होकर अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार गोयल को

भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । उन्होंने भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं के साथ उत्सव की खुशियाँ साझा कीं तथा सभी के सुख,शांति और समृद्धि की कामना की और कहा कि

भगवान श्रीकृष्ण जी के जन्मोत्सव की इस पावन बेला में श्री राधा-कृष्ण जी के चरणों में श्रद्धा एवं भक्ति अर्पित कर मन को अद्भुत शांति और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई।

इस अवसर पर इस्कॉन नोएडा के सह अध्यक्ष वंशीधर दास प्रभु जी, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार गोयल, वैश्य समाज महिला उ0प्र जिला अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर सविता गोयल, भाजपा युवा मोर्चा नोएडा महानगर के जिला महामंत्री, सेक्टर संयोजक एवं अग्रवाल मित्र मंडल के मीडिया प्रभारी तुषार गोयल, रामकुमार बंसल, सुशील गोयल, नीतेश गर्ग, निकुंज बंसल, सुदेश गर्ग, दीपशिखा बंसल, अलका गोयल, अनीता गर्ग, अनमोल गर्ग, आयुषी बंसल, दिव्या बंसल, गोविंद गोयल, परी गोयल भक्त उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण 23 बिल्डर को दिया नोटिस

नोएडा। पुरानी अटकी हुई बिल्डर परियोजना को पूरा कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 23 बिल्डरों को नोटिस जारी किया है। इन बिल्डरों ने शासन की नीति के तहत कुल देय राशि का 25 प्रतिशत तो जमा कर दिया, लेकिन बाकी 75 प्रतिशत राशि जमा नहीं की है। प्राधिकरण ने 23 आवंटियों को बकाया रकम जमा कराने के लिए नोटिस भेजा है।

प्राधिकरण बोर्ड ने अप्रैल में निर्देश दिए थे कि जिन बिल्डरों ने 25 प्रतिशत राशि जमा नहीं की है, उनसे पहले यह राशि जमा कराई जाए। वहीं, जिन परियोजनाओं में 25 प्रतिशत राशि जमा हो चुकी है, वहां बची हुई राशि जमा कराने के साथ फ्लैटों की रजिस्ट्री तेजी से कराने की कार्रवाई की जाए। पुरानी रुकी परियोजनाओं के लिए लागू नीति के तहत नोएडा में कुल 57 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें से 36 परियोजनाओं ने नेट देय राशि के 25 प्रतिशत के सापेक्ष 540.75 करोड़ रुपये जमा किए हैं।

11 परियोजनाओं ने आंशिक रूप से 20.60: करोड़ रुपये जमा किए हैं। चार बिल्डरों ने सहमति तो दी, लेकिन पैसा जमा नहीं कराया। छह बिल्डरों ने न सहमति दी और न ही राशि जमा की। इस तरह 57 परियोजनाओं से 25 प्रतिशत और आंशिक भुगतान के रूप में कुल 561.35 करोड़ रुपये जमा हुए हैं।

21 आवंटियों ने 25% भी नहीं दिया: प्राधिकरण के अनुसार 21 ऐसे आवंटी भी हैं, जिन्होंने कुल देयता का 25 प्रतिशत तक जमा नहीं किया है। इनमें से 20 को 12 अगस्त को नोटिस जारी कर 25 प्रतिशत राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। एक अन्य मामले में आरजी रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड की देय राशि की दोबारा गणना की जा रही है।

6807 फ्लैटों की हो चुकी रजिस्ट्री: 57 परियोजनाओं में कुल 21,034 फ्लैट अपंजीकृत थे। इनमें से 25 प्रतिशत राशि जमा करने वाले मामलों में रजिस्ट्री की अनुमति दी गई है।

राकेश टिकैत की मौजूदगी में 14 सितम्बर को तीनों प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं पर होगा आंदोलन : अशोक भाटी

ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय आह्वान पर आगामी 14 सितंबर 2026 को गौतम बुद्ध नगर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण से संबंधित किसानों की लंबित समस्याओं को लेकर होने वाली किसान पंचायत की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी को लेकर भाकियू कार्यालय पर बैठक आयोजित कर आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता यादराम नेताजी ने की तथा संचालन नवीन कसाना ने किया।

बैठक में नोएडा जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, समन्वय समिति जिलाध्यक्ष राजीव मलिक, दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी, सिंह राज गुर्जर, अनिल खारी सहित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने तीनों प्राधिकरणों से जुड़ी क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा की।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर पूर्व में भी नोएडा प्राधिकरण पर कई पंचायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अनेक समस्याओं का आज तक समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर की पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत भी मौजूद रहेंगे।

भाकियू की प्रमुख मांगों में गांवों के अभिलेखों से नोएडा प्राधिकरण की प्रविष्टि हटाना, सलारपुर सहित सभी गांवों में गंगाजल की आपूर्ति, किसानों के लंबित 5 व 10 प्रतिशत भूखंडों का आवंटन, आबादी का निस्तारण 'जहां है, जैसी है' के आधार पर करना, पीपी एक्ट के पुराने मुकदमे वापस लेना, वर्ष 1976 के पात्र किसानों को प्लॉट देना, स्थानीय युवाओं को कंपनियों एवं वेंडिंग जोन में रोजगार में प्राथमिकता, किसानों के बच्चों को निजी स्कूलों में फीस में रियायत तथा निजी अस्पतालों में निःशुल्क ओपीडी व रियायती इलाज की सुविधा शामिल हैं।

इसके अलावा गांवों का शहरी तर्ज पर विकास, सड़क, सीवर, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, पार्क, खेल मैदान व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, गांवों के सौंदर्यीकरण के लिए प्रवेश द्वार बनाने, आवश्यक स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज, सभी गांवों में आईजीएल गैस पाइपलाइन, नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत भूमि अधिग्रहण तथा विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग भी पंचायत में प्रमुखता से उठाई जाएगी।

बैठक में अनित भाटी, राजवीर भाटी, श्री पहलवान, मनवीर भाटी, चमन भाटी, विकास भाटी, रमेश फौजी, मानित नागर, अनूप नागर, अभिषेक कसाना, कमलजीत खारी, कर्मवीर मावी और विनोद अधाना सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की मुख्यमंत्री से मांग, लोक अदालत के माध्यम से निपटाएं सेल्स टैक्स के लंबित मामले

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर बताने का प्रयास किया है कि उत्तर प्रदेश के व्यापारियों को जी एस टी लागू होने से पूर्व के सेल्स टैक्स से संबंधित पुराने मामलों एवं नोटिसों के कारण लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान समय में अनेक व्यापारियों को 20-20 एवं 25-25 वर्ष पुराने मामलों के नोटिस प्राप्त हो रहे हैं, जिससे व्यापारियों में चिंता एवं भय का वातावरण उत्पन्न हो रहा है।

कई मामलों में मूल कर अथवा मूल डिमांड बहुत कम थी, लेकिन वर्षों से चले आ रहे ब्याज एवं अन्य देनदारियों के कारण आज वही राशि अत्यधिक बढ़ गई है। दशकों पुराने मामलों में पुराने रिकॉर्ड, बिल एवं दस्तावेज उपलब्ध कराना भी व्यापारियों के लिए अत्यंत कठिन है।

हमारा संगठन कर व्यवस्था एवं सरकार के राजस्व के प्रति पूरी तरह सम्मान रखता है। हमारा निवेदन केवल इतना है कि जीएसटी से पहले के सभी लंबित सेल्स टैक्स मामलों का एक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान किया जाए।

सात सूत्रीय मांगे

1. जी एस टी लागू होने से पूर्व के सभी लंबित सेल्स टैक्स मामलों के लिए विशेष लोक अदालत आयोजित की जाए।
2. पुराने मामलों में वास्तविक मूल देयता का निर्धारण कर व्यापारियों को एकमुश्त निश्चित राशि जमा करने का अवसर प्रदान किया जाए।
3. वर्षों से बढ़ते आ रहे ब्याज एवं अन्य अतिरिक्त देनदारियों में उचित राहत प्रदान की जाए।
4. निर्धारित राशि का भुगतान करने वाले व्यापारियों के मामलों को पूर्ण एवं अंतिम रूप से समाप्त किया जाए।
5. अत्यधिक पुराने मामलों, विशेषकर 20-25 वर्ष पुराने मामलों, का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए।
6. जिन मामलों में विभागीय अथवा व्यापारी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हैं, उनमें व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से राहत दी जाए।
7. इस पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाए, ताकि व्यापारी दशकों पुराने मामलों से मुक्त होकर अपने व्यापार पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

उत्तर प्रदेश के लाखों व्यापारी प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यदि पहले के पुराने मामलों का एकमुश्त एवं न्यायसंगत समाधान कर दिया जाता है, तो इससे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी, विभाग के लंबित मामलों का निस्तारण होगा तथा सरकार और व्यापारी समाज के बीच विश्वास और मजबूत होगा।

महिला लेफ्टिनेंट कर्नल से अभद्रता

नोएडा। सेना से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल ने किसी बात को लेकर हुए विवाद में सेवारत महिला लेफ्टिनेंट कर्नल को नौकरानी बोलने का मामला प्रकाश में आया है। विरोध करने पर आरोपी ने अभद्रता कर पीड़िता को जानमाल की धमकी भी दी।

पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के गुरजिंदर विहार टाउनशिप के टावर फोर-टी के फ्लैट में रहने वाली लेफ्टिनेंट कर्नल स्मिता थामस वर्तमान में नई दिल्ली स्थित डिफेंस ऑफिस कॉम्प्लेक्स सेंट्रल विस्टा में सेवारत हैं। उन्होंने बताया कि वह 21 अगस्त को दोपहर करीब 2.20 बजे पति पवन कुमार भारद्वाज के साथ कार्यालय से घर लौटी थीं।

फ्लैट में जाने के लिए टावर के पास लिफ्ट का इंतजार कर रही थीं। आरोप है कि लिफ्ट का गेट खुलते ही उसी टावर के दूसरे फ्लैट में रहने वाले रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल एसपी सिंह, जो अंदर ही मौजूद थे, बिना किसी पूर्व बातचीत या उकसावे के चिल्लाते हुए गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता के पति और अन्य लोगों के सामने ही नौकरानी कहते हुए अभद्रता की, जबकि पीड़िता लिफ्ट के दरवाजे से काफी दूर किनारे खड़ी थीं। बताया कि घटना से पहले उनका आरोपी से कोई व्यक्तिगत परिचय या विवाद नहीं था। यह व्यवहार जानबूझकर अपमानित करने, नीचा दिखाने और एक महिला के रूप में सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने वाला था।

प्रकरण से उन्हें गहरा मानसिक कष्ट पहुंचा। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज निकलवा कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया मामला संज्ञान में है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आरोपित के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिहिर भोज जयंती को 'राष्ट्रीय गौरव दिवस' के रूप में मनाएगा अखिल भारतीय गुर्जर महासभा

ग्रेटर नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने देशभर के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का आह्वान किया है। महासभा ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज का शौर्य, राष्ट्ररक्षा और भारतीय संस्कृति की रक्षा में योगदान किसी एक समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि वे पूरे राष्ट्र के गौरव हैं।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बच्चू सिंह बैंसला ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज केवल किसी एक जाति के लिए नहीं लड़े, बल्कि उन्होंने तत्कालीन भारत की रक्षा और भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए संघर्ष किया। उनके शौर्य और राष्ट्ररक्षा के योगदान को किसी एक समाज तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत और जातीय हितों से ऊपर उठकर देश और समाज के लिए संघर्ष किया। 1857 की क्रांति के वीर धन सिंह कोतवाल ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। वहीं, बिजौलिया किसान आंदोलन के महानायक विजय सिंह पथिक ने किसानों के अधिकारों और जनहित के लिए संघर्ष किया।

महासभा ने मां पन्नाधाय के त्याग को भी भारतीय इतिहास का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने पुत्र का बलिदान देकर मेवाड़ और उसके भविष्य की रक्षा की। इसी प्रकार वीरांगना रामप्यारी गुर्जरी के नेतृत्व में तैमूर लंग के आक्रमण के विरुद्ध हुए संघर्ष को भी देश, समाज और स्वाभिमान की रक्षा का संघर्ष बताया गया। महासभा का कहना है कि महापुरुष किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के होते हैं। जिसने भी देश की रक्षा, स्वतंत्रता, संस्कृति, स्वाभिमान और समाज के लिए योगदान दिया है, वह पूरे भारत का गौरव है।

महासभा ने देशवासियों से अपील की कि सम्राट मिहिर भोज जयंती को केवल गुर्जर समाज तक सीमित न रखते हुए 'राष्ट्रीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाए।

महर्षि यूनिवर्सिटी में इंडिया कनेक्ट एंड कोलेबोरेशन समिट-2026 आयोजित

नोएडा। महर्षि युनिवर्सिटी के नोएडा कैंपस में रविवार को इंडिया कनेक्ट एंड कोलैबोरेशन समिट का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के राजनयिक प्रतिनिधियों, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में भारत और विभिन्न देशों के बीच सहयोग, शिक्षा, कौशल विकास, उद्योग तथा नवाचार जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के हाई कमिश्नर एच.ई. चंद्रदाथ सिंह रहे। उरुग्वे दूतावास के चीफ ऑफ कांसुलर सेक्शन पाब्लो रिकार्डो गोरोसिटो बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शामिल हुए। वहीं सीबीएसई, नई

दिल्ली के एडिशनल डायरेक्टर (स्किल एजुकेशन) आरपी सिंह विशेष अतिथि रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद गणेश पुष्पांजलि प्रस्तुत की गई।

महर्षि यूनिवर्सिटी की ओर से रतिश गुप्ता ने स्वागत संबोधन दिया । महर्षि युनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. बी.पी. सिंह तथा महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कानपुर के कुलपति डॉ. पी.के. उपाध्याय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। वहीं महर्षि युनिवर्सिटी नोएडा की डीन अकादमिक तृप्ति अग्रवाल ने सभी मेहमानों को इस कार्यक्रम में आने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत

नोएडा। सेक्टर-63 में तेज रफ्तार कार के चालक ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक कार लेकर भाग गया। सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। एटा के मेहनी गांव निवासी सूरजपाल का 36 वर्षीय बेटा गजेंद्र सिंह नोएडा की चोटपुर कॉलोनी में किराये पर रहता था। वह सेक्टर-63 स्थित मोब्लैड मोड एंड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड में सेमप्लिंग का काम करता था। गजेंद्र चार सितंबर की रात करीब आठ बजे ड्यूटी खत्म कर कंपनी से घर लौट रहा था।

वह साइकिल से जा रहा था, तभी पीछे से तेज गति में आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही गजेंद्र सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक भाग गया, लेकिन कार की नंबर प्लेट का हिस्सा साइकिल में फंस गया। पुलिस के मुताबिक कार की नंबर प्लेट नोएडा की है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। मृतक के पिता सूरजपाल ने पांच सितंबर को सेक्टर-63 थाने में शिकायत देकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

रामलीला के लिए भूमि पूजन 20 को होगा

नोएडा। सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा होने वाली भव्य रामलीला के लिए 20 सितंबर को भूमि पूजन किया जाएगा। इसमें शहर के गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। सनातन धर्म रामलीला समिति के चेयरमैन टीएन गोविल की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में रामलीला की तैयारियों पर चर्चा की गई। समिति के महासचिव संजय बाली ने बताया कि सेक्टर-21ए स्थित रामलीला मैदान में होने वाली रामलीला को इस बार पिछले वर्षों से अधिक भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारी है। रामलीला मंचन करने वाली कमेटी और रावण, कुंभकरण व मेघनाथ के पूतलों के निर्माण के लिए टीम का चयन कर लिया गया है।

बैठक में सुशील भारद्वाज, अल्पेश गर्ग, पंकज जिंदल, एससी गोयल, अतुम वर्मा, लोकेश कश्यप, अमित अग्रवाल, संजय जैन, आलोक कुमार अग्रवाल, सौरभ शर्मा, मुकेश शर्मा और राजीव गर्ग सहित समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से घायल महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में लगभग नौ दिन पहले तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुई एक महिला की रविवार सुबह 4 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने महिला को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राजपुर कला गांव के रहने वाले दिनेश ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि उनकी 60 वर्षीय बहन मुनेश 29 अगस्त की दोपहर करीब दो बजे दनकौर रेलवे स्टेशन के पास किसी काम से गई थीं। वह सड़क किनारे खड़ी थीं, तभी एक तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मुनेश गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। परिजनों ने उन्हें तुरंत ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने ट्रैक्टर चालक पर लापरवाही और तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी में लिफ्टकर्मी के गले पर ब्लेड मारा

नोएडा। सेक्टर-73 में शराब पार्टी के दौरान रुपये के लेनदेन को लेकर चार दोस्तों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने अपने साथी के गले पर ब्लेड से वार कर दिया। आरोपियों ने घायल लिफ्टकर्मी से आठ हजार रुपये भी छीन लिए और मौके से फरार हो गए। पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने तीनों आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सर्फाबाद गांव में फूलकुमारी अपने पति जितेंद्र के साथ रहती हैं। जितेंद्र लिफ्ट लगाने और मरम्मत का काम करते हैं। उनके साथ यादराम उर्फ कल्लू, दीपक और फरमान भी काम करते हैं। चारों के बीच दोस्ती थी। जितेंद्र को काम के बदले शनिवार को कुछ रुपये मिले थे।

इसके बाद तीनों साथियों ने उन्हें सेक्टर-73 स्थित ए-स्क्वायर बिल्डिंग के पास बुलाया। रात करीब पौने 12 बजे तक चारों ने वहां शराब पी। इसी दौरान रुपये के लेनदेन को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर यादराम उर्फ कल्लू ने ब्लेड निकालकर जितेंद्र के गले पर वार कर दिया। हमले में वह घायल हो गए। आरोपियों पर जितेंद्र की जेब से आठ हजार रुपये निकालकर भागने का भी आरोप है।घटना की जानकारी मिलने के बाद फूलकुमारी मौके पर पहुंचीं और घायल पति को उपचार के लिए ले गईं। इसके बाद उन्होंने सेक्टर-113 थाने में शिकायत दी। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आरोपियों की तलाश कर रही है। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हैं।

मेट्रो से सफर कर एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में पहुंचे पीएम मोदी

शिक्षक दिवस पर जेन-जी को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार शाम दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे। खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री कॉलेज के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली मेट्रो से पहुंचे। इस दौरान वह लोगों से बात करते भी दिखे। समारोह का आयोजन शिक्षक दिवस के अवसर पर किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में शामिल होने की जानकारी साझा की। उन्होंने कॉलेज की शैक्षणिक उपलब्धियों और विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व तैयार करने में उसकी भूमिका का उल्लेख किया।

अप्रैल में कॉलेज के प्रतिनिधिमंडल से मिले थे पीएम- एसआरसीसी की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इसी साल अप्रैल में प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक आवास पर कॉलेज के शासी मंडल और प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी।

उस दौरान उन्होंने संस्थान की शताब्दी यात्रा को रेखांकित करते हुए एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया था।

- **1926 में हुई थी एसआरसीसी की स्थापना-** श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की नींव उद्योगपति और समाजसेवी सर श्रीराम ने वर्ष 1926 में रखी थी। एक सदी के सफर में यह संस्थान वाणिज्य और अर्थशास्त्र की पढ़ाई के प्रमुख केंद्रों में अपनी पहचान बना चुका है।

शिक्षक दिवस पर हुआ शताब्दी समारोह

इस बार शताब्दी समारोह शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। ऐसे में कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया, क्योंकि शिक्षक दिवस शिक्षा के माध्यम से नई पीढ़ियों को तैयार करने वाले शिक्षकों और शिक्षाविदों के योगदान को सम्मान देने का अवसर भी है। एसआरसीसी अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता, बेहतर सुविधाओं और अनुभवी शिक्षकों के लिए जाना जाता है। कॉलेज में देश के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थी शिक्षा के लिए पहुंचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अनूठी पहल, कानून-न्याय पर शुरू होगी मासिक व्याख्यान श्रृंखला

नई दिल्ली, एजेंसी। विधि, न्याय और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण समकालीन विषयों पर नियमित संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का एक नया मंच तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक पहल की है। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून, न्याय और कानूनी शिक्षा पर एक मासिक व्याख्यान श्रृंखला शुरू करने और एक वार्षिक पुरस्कार के प्रस्ताव की घोषणा की। यह अनूठी श्रृंखला 'एक जरूरी विचार, हर महीने' की तर्ज पर काम करेगी। इसमें बेंच, बार, शिक्षाविद्, प्रख्यात विशेषज्ञ और युवा विधि विशेषज्ञ एक मंच पर आएंगे। इसका उद्देश्य केवल पारंपरिक व्याख्यान तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि पीढ़ियों के बीच सार्थक चर्चा को बढ़ावा देना और कानूनी संस्थानों और युवाओं के बीच जुड़ाव बढ़ाना है।

हर महीने के इस आयोजन में किसी प्रख्यात न्यायविद् या डोमेन विशेषज्ञ का व्याख्यान होगा, जिसके बाद एक 'आइडिया डायलॉग' होगी। इसमें युवा वकीलों, विधि छात्रों और शोधकर्ताओं को भी भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस पूरी श्रृंखला की रिकार्डिंग की जाएगी और इसे संपादित करके एक सार्वजनिक ज्ञान संसाधन व स्थायी संग्रह तैयार किया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहुंच के लिए इसका सीधा प्रसारण (लाइव-स्ट्रीमिंग) और भारतीय भाषाओं में संक्षिप्त सारांश भी उपलब्ध होंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बारिश का दौर जारी है। आज यानी रविवार को भी दिल्ली, नोएडा समेत आसपास के इलाकों में बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने दिल्ली के कुछ इलाकों में भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। हालांकि, कुछ इलाकों के लिए मध्यम वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, शहादरा, सेंट्रल दिल्ली, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, गरज के साथ बिजली (हवा की स्पीड 30-40

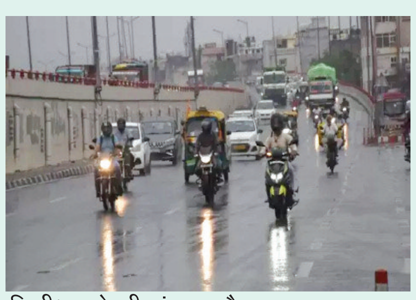

किमी) रहने की संभावना है।

वहीं, बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली है लेकिन, सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। हालांकि, आज रविवार की छुट्टी होने की वजह से नौकरीपेशा लोगों को जाम व जलभराव वाली समस्या का सामना नहीं करना पड़ा।

कल हुई थी तेज बारिश

वहीं, कल यानी शनिवार को एनसीआर में तेज बारिश हुई थी, जिस वजह से कई इलाकों में जलभराव हो गया था। शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश और खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित रहा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 200 से अधिक उड़ानें निर्धारित समय से देरी से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी। इनमें दिल्ली एयरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों में औसतन करीब 70 मिनट तक, जबकि यहां से रवाना होने वाली उड़ानों में करीब 130 मिनट तक की देरी दर्ज की गई।

दिल्ली दंगों के आरोपी शाहरुख पठान ने कड़कड़डूमा कोर्ट से वापस ली अंतरिम जमानत अर्जी

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में बंद शाहरुख पठान ने कड़कड़डूमा कोर्ट में दाखिल तीन दिन की अंतरिम जमानत की अर्जी शनिवार को वापस ले ली। उसने चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत मांगी थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने उसके अधिवक्ता की ओर से अर्जी वापस लेने की जानकारी दिए जाने के बाद मामले का निपटारा कर दिया।

3 दिन की अंतरिम जमानत का अनुरोध

शाहरुख पठान की ओर से अधिवक्ता अब्दुल गफ्फार ने अर्जी दाखिल कर बताया था कि उसकी चचेरी बहन की शादी 5 सितंबर को दिल्ली में हुई है। शादी में शामिल होने और परिवार के सदस्यों व रिश्तेदारों से मिलने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया गया था। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुज हांडा ने अर्जी पर जवाब दाखिल किया था।

शाहरुख पठान फरवरी 2020 में जाफराबाद थाने में दर्ज दंगा, हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं के मामले में न्यायिक हिरासत में है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान पिस्तौल लहराते हुए उसकी तस्वीर सामने आने के बाद वह सुर्खियों में आया था। इससे पहले 18 जुलाई को कोर्ट ने पिता की मृत्यु के बाद मां की इद्दत की अंतिम रस्म में शामिल होने के लिए उसे छह दिन की अंतरिम जमानत दी थी।

दिल्ली पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता

मोनू पोचनपुरिया गैंग का शातिर बदमाश राजीव डागर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात मोनू पोचनपुरिया गिरोह के सदस्य राजीव डागर उर्फ मोनू पोचनपुरिया को गिरफ्तार कर लिया है। इसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट आदि के 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से दो पिस्टल और 16 कारतूस बरामद किए गए हैं। समय रहते की गई कार्रवाई से गैंगवार और किसी बड़ी हिंसक वारदात की आशंका को टाल दिया गया।

क्राइम ब्रांच के सब-इंस्पेक्टर अंशु कादियान और हवलदार विनोद को सूचना मिली थी कि राजीव डागर अवैध हथियारों के साथ जनकपुरी इलाके में आने वाला है।

पुलिस टीम ने दबोचा- सूचना मिलते ही डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मार्गदर्शन और एसीपी राज कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर प्रकाश चंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने हयात होटल, जनकपुरी के पास सफेद रंग की टोयोटा यारिस कार को रोका। बदमाश ने कार भगाकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। वहीं, तलाशी के दौरान उसकी जेब से एक पिस्टल और 10 कारतूस मिले।

इसके बाद क्राइम ब्रांच थाने में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर मटियाला गांव स्थित उसके ठिकाने से एक और पिस्टल और 6 अन्य कारतूस बरामद किए गए।

यूके के नंबरों से चला रहा था गैंग

हेड कॉन्स्टेबल विनोद ने तकनीकी निगरानी के जरिए पाया कि बदमाश अपने सहयोगियों से संपर्क साधने के लिए यूके आधारित अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहा था। 46 वर्षीय राजीव डागर मूल रूप से दिल्ली के इसापुर गांव का रहने वाला है और वर्तमान में गुरुग्राम में रह रहा था। 9वीं तक पढ़े राजीव ने सन् 2000 में चोरी की वारदातों से अपराध की दुनिया में कदम रखा था।

2002 और 2005 में हत्या- 2002 में उसने आपसी विवाद में अशोक नाम के व्यक्ति की हत्या की। 2005 में जेल से बाहर आने के बाद उसने अपनी महिला मित्र के भाई खलिंदर की हत्या कर दी।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से हवाई सफर बेहाल, 200 से ज्यादा उड़ानें लेट

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार दूसरे दिन भी होती रही वर्षा का असर हवाई सेवाओं पर देखने को मिला। शनिवार को भी दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश और खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित रहा। उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, 200 से अधिक उड़ानें निर्धारित समय से देरी से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी। इनमें दिल्ली एयरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों में औसतन करीब 70 मिनट तक, जबकि यहां से रवाना होने वाली उड़ानों में करीब 130 मिनट तक की देरी दर्ज की गई। इससे पहले शुक्रवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण आइजीआइ एयरपोर्ट पर 11मउड़ानों को दूसरे शहरों के एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना पड़ा था। इनमें चार उड़ानें जयपुर, चार लखनऊ, एक अहमदाबाद और दो चंडीगढ़ भेजी गई थी।

यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी- शुक्रवार को हुई तेज वर्षा के कारण एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 और टर्मिनल-3 के आसपास के फोरकोर्ट और पहुंच मार्ग पर जलभराव हो गया था। यात्रियों को पानी के बीच से गुजरकर टर्मिनल तक पहुंचना पड़ा। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, जलभराव को कुछ समय में साफ कर दिया गया, लेकिन खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन पर बना रहा। मौसम की स्थिति को देखते हुए इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। इंडिगो ने यात्रियों से एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान का ताजा स्टेटस जांचने और अतिरिक्त यात्रा समय लेकर निकलने की अपील की है। एयरलाइन ने कहा है कि खराब मौसम और सड़कों पर जलभराव के कारण एयरपोर्ट पहुंचने में भी सामान्य से अधिक समय लग सकता है।

केंद्र ने 8 हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस किए नियुक्त, महाराष्ट्र-बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को देश के विभिन्न हाई कोर्ट में आठ चीफ जस्टिस नियुक्त किए हैं। यह नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के कुछ दिनों बाद हुई हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश वल्लुरी कामेश्वर राव को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं, मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश होंगे।

जस्टिस वल्लुरी कामेश्वर राव (दिल्ली हाई कोर्ट) - पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

जस्टिस रविंद्र वी घुगे (बॉम्बे हाई कोर्ट) - कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी (इलाहाबाद हाई कोर्ट) - बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा (पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट) - पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस कृष्णा राम मोहापात्रा (ओडिशा हाई कोर्ट) - छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस अलपेश यशवंत कोग्जे (गुजरात हाई कोर्ट) - मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस

जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी (राजस्थान हाई कोर्ट) - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस।

थायरॉयड कैंसर ने घेर ली थी कैरोटिड धमनी

आवाज जाने का भी था खतरा, दिल्ली में जटिल सर्जरी से मिली जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला के गले में ट्यूमर था, जिसने दिमाग को खून पहुंचाने वाली प्रमुख रक्त वाहिका (कैरोटिड धमनी) को घेरे हुए था। सांस और भोजन की नली तक फैल गया था। सर्जरी के दौरान आवाज की दोनों नसों को नुकसान पहुंचने से आवाज जाने का खतरा था। ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में सर गंगा राम अस्पताल के चिकित्सकों ने ट्यूमर को कैरोटिड धमनी से सावधानीपूर्वक अलग कर न सिर्फ निकाला बल्कि आवाज की दोनों नसों को भी सुरक्षित रखा। इससे महिला की जान के साथ उसकी आवाज भी बच गई। अस्पताल के चिकित्सक डा. संगीत अग्रवाल ने बताया कि महिला के गले में करीब 10 साल से गांठ थी, जो धीरे-धीरे बढ़ रही थी। पिछले कुछ महीनों में इसका आकार तेजी से बढ़ने लगा। गांठ के बड़े आकार और तेजी से बढ़ने के कारण शुरुआत में डाक्टरों को एनाप्लास्टिक थायरॉयड कैंसर की आशंका हुई।

कई विभागों की टीम ने मिलकर की सर्जरी

मामले की गंभीरता को देखते हुए हेड एंड नेक सर्जिकल आंकोलाजी, वैस्कुलर सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी की टीम ने मिलकर सर्जरी की। टीम का नेतृत्व सर गंगा राम अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट हेड एंड नेक सर्जिकल आंकोलाजी डा.संगीत अग्रवाल ने किया। डा.संगीत अग्रवाल ने बताया कि टीम ने पहले ट्यूमर को कैरोटिड धमनी से अलग किया। इसके बाद पूरे थायरायड को ट्यूमर समेत निकाल दिया गया। सर्जरी के बाद महिला को दो दिन आइसीयू में निगरानी में रखा गया। इसके बाद उन्हें वार्ड में भेज दिया गया। उनकी आवाज सामान्य रही और संतोषजनक स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कहा कि गर्दन की प्रमुख रक्त वाहिकाओं तक फैले बड़े थायरायड कैंसर में सर्जरी से पहले योजना और अलग-अलग विशेषज्ञों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

धौलाकुआं फ्लाईओवर पर चलती कार में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के धौलाकुआं फ्लाईओवर पर एक चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को मौके पर भेजा गया है।

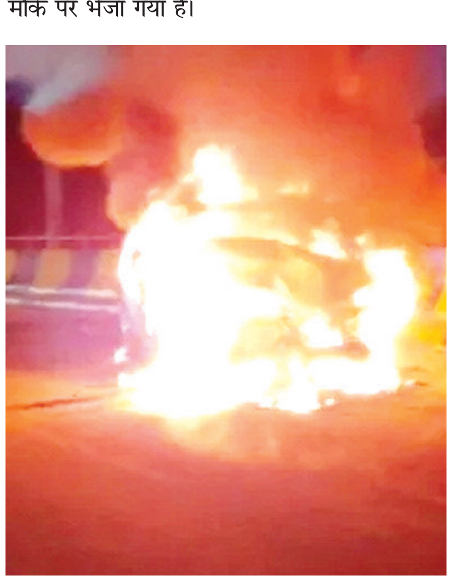

मध्य प्रदेश में बैगा बच्चों की मौत पर आदिवासियों में उबाल, 18 राज्यों के नेताओं ने किया प्रदर्शन

बालाघाट, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में खसरा और मलेरिया से बैगा जनजाति के बच्चों की मौत के शनिवार को 18 राज्यों के आदिवासी नेताओं ने धरना प्रदर्शन किया।

मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, बिहार, महाराष्ट्र, असम सहित अन्य राज्यों से पहुंचे यह आदिवासी नेता प्रभावित गांव कोरका और बोंदारी भी पहुंचे एवं सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी चिंता जताई है। वहीं मध्य प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। बता दें कि खसरा मलेरिया सहित अन्य बीमारियों से जिले में 30 मौतों का दावा किया जा रहा है। हालांकि, प्रशासन ने 10 मौतों की पुष्टि की है। धरना प्रदर्शन में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम, गोंडवाना गोंड महासभा के छत्तीसगढ़ अध्यक्ष अकबर राम कोराम सहित अन्य नेता शामिल हुए। तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे जिम्मेदार अपनी नैतिकता को भूल चुके हैं। इन क्षेत्रों में टीकाकरण नहीं होने से मीजल्स फैलने की सूचना प्रशासन को महीनों पहले से थी, फिर भी ठोस कदम नहीं उठाए गए।

रेबीज वैक्सीन का एक बैच मानकों में हुआ फेल

नकली होने का अंदेशा; पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। भारत के औषधि नियामक ने व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाली रेबीज वैक्सीन 'अभयरब' के एक बैच को मानकों के अनुरूप नहीं पाया है। इसे घटिया और संभवतः नकली बताया है।

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) के अनुसार, वैक्सीन का एक नमूना पोटेंसी टेस्ट (असरदार होने की जांच) में विफल रहा। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में हर साल करीब छह हजार लोगों की रेबीज से मौत होती है।

जांच इस दवा के बैच नंबर केई25012 से जुड़ी है। अभयरब बनाने वाली कंपनी इंडियन इम्यूनोलाजिकल्स लिमिटेड (आइआइएल) ने कहा कि नियामक द्वारा जब्त की गई डोज कंपनी ने नहीं बनाई थीं। कंपनी के उपाध्यक्ष सुनील तिवारी ने कहा कि मुताबिक ये डोज दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित एक बिना लाइसेंस वाले आवासीय परिसर से पकड़ी गई थीं।

बता दें कि आईआइएल घरेलू रैबीज वैक्सीन बाजार में 40% हिस्सेदारी रखती है। केंद्रीय औषधि नियामक ने कहा कि इस बैच का कोई हिस्सा विदेश निर्यात नहीं किया गया था और मामले में दिल्ली पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा,

सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया- त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

फुटबॉल: भारत-पनामा के बीच फ्रेंडली मैच में बदलाव

नई दिल्ली। भारत और पनामा के बीच पुरुषों के इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच की तारीख में बदलाव हुआ है। यह मुकाबला पहले 26 सितंबर को होना था, लेकिन अब इसे 25 सितंबर को खेला जाएगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की। एक मजबूत टीम के खिलाफ यह बहुप्रतीक्षित मैच बेंगलुरु के श्री कांतिरावा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जो फीफा मेंस इंटरनेशनल मैच विंडो का हिस्सा है। 'ब्लू टाइगर्स' का सामना 44वीं रैंक वाली उस पनामा टीम से होगा, जिसने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा

लिया था। फुटबॉल इतिहास में भारत और पनामा की टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह भारत के इतिहास में किसी कॉनकैफ (उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल परिसंघ) टीम के खिलाफ 9वां मैच होगा। 'लॉस कैनालेरोस' (पनामा टीम) ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था। इस वजह से सितंबर का यह मैच उन चार मुकाबलों में पहला होगा जो भारत फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली टीमों के खिलाफ खेलेगा और फिर 3 अक्टूबर को ब्राजील के साथ मैच होगा।

इसके बाद, भारतीय पुरुष टीम अगली फीफा इंटरनेशनल मैच विंडो के दौरान न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, जहां वह मेजबान टीम के विरुद्ध 12 और 15 नवंबर को दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। पहला मैच ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मुकाबले का आयोजन क्राइस्टचर्च के वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में किया जाएगा। इन मुकाबलों की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान की गई थी और ये दोनों देशों के बीच 'खेल के जरिए एकता के 100 साल' का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले खेल आयोजनों की सीरीज का हिस्सा होंगे।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास

डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर

रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।'

इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे।

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

मिलान। लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे।

यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है।

विमेंस एशिया कप: श्री चरणी और प्रेमा रावत का चला जादू

पाकिस्तान को दी करारी शिकस्त

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से हराया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 56 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने आसानी से 3 विकेट खोकर 8.4 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

शेफाली वर्मा 6 गेंदों में 12 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटीं। नंबर तीन पर प्रतिका रावल का फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा और वह 4 रन ही बना सकीं। स्मृति मंधाना भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 9 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने भारत को कोई और झटका नहीं लगने दिया और टीम को जीत दिलाई।

हरमनप्रीत ने 18 गेंदों में नाबाद 18 रन बनाए, जबकि दीप्ति 14 गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहीं।

पाकिस्तान की तरफ से फातिमा सना ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने मिलकर पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। मुनीबा 15 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार 3 चौकों की मदद से 14 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

दुबई। पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया।

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास: 150 T20I मैचों में कप्तानी करने वालीं पहली क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 में शनिवार (5 सितंबर) को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया। वह 150 टी20 इंटरनेशनल मैच में कप्तान के तौर पर उतरीं। महिला या पुरुष क्रिकेट में वह यह उपलब्धि हासिल करने वालीं पहली क्रिकेटर बन गईं। दूसरे नंबर पर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू हैं। उन्होंने 121 मैच में कप्तानी की है। ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग ने 100 मैचों में कप्तानी की है। पुरुष क्रिकेट में किसी खिलाड़ी ने 100 मैचों में कप्तानी नहीं की है। नामीबिया के ग्रेहार्ड इरास्मस ने 91 मैचों में कप्तानी की है। आईसीसी के फुल मेंबर्स की बात करें तो पाकिस्तान के बाबर आजम ने 85 और ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच ने 76 मैचों में कप्तानी की है। भारत के लिए महेंद्र सिंह धोनी ने 72 मैचों में कप्तानी की है।

हरमनप्रीत कौर ने क्या कहा?

हरमनप्रीत कौर ने इस खास उपलब्धि पर कहा, 'बहुत बड़ी उपलब्धि। लेकिन जरूरी यह है कि आप मैदान पर आनंद लेते रहें और यही जरूरी है। मैं यही करने की कोशिश करती हूं।' भारत-पाकिस्तान मुकाबले की बात करें तो दोनों टीमों ने प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

शैफाली ने पहली गेंद पर छक्का लगा बनाया महारिकॉर्ड

पाक के खिलाफ T20I में ऐसा करने वाली पहली महिला बैटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को महिला एशिया कप 2026 के अपने तीसरे लीग मैच में 7 विकेट से हरा दिया और सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस मैच में श्रीचरणी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट झटके और वो प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। पाकिस्तान के खिलाफ हुए इस मैच में भारतीय ओपनर शैफाली वर्मा ने अपनी पारी के दौरान एक ही छक्का लगाया और इसके दम पर उन्होंने एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया जो किसी भी महिला क्रिकेटर ने इससे पहले कभी नहीं किया था।

शैफाली ने पहली गेंद पर छक्का लगा बनाया महारिकॉर्ड- शैफाली वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 6 गेंदों पर 12 रन बनाए और इस दौरान उन्होंने एक छक्का और एक चौका भी लगाया। शैफाली का स्ट्राइक रेट इस दौरान 200.00 का रहा। शैफाली ने इस मुकाबले में दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। शैफाली अब महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा बार पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाने वाली बैटर बन गईं। शैफाली ने एशिया कप 2026 के भारत के तीसरे लीग मैच में पाकिस्तान के खिलाफ पहली गेंद पर छक्का लगाने का कमाल किया तो वहीं इससे पहले साल 2026 में ही एजबेस्टन में शैफाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। यानी उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20आई में पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का कमाल दो बार किया। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर एक बार छक्का लगाने का कमाल एमी हंटर ने साल 2025 में डबलिन में किया था।

साई किशोर ने झटके 5 विकेट

ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल, एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था।

इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था।

भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप में जापान से खेला ड्रॉ

मोकी (चीन), एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां जूनियर एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। इंडोनेशिया के खिलाफ पहले पूल मैच में 14-0 की बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त हासिल की। फाउल के बाद मिले इस मौके को कप्तान अनमोल एक्का ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और 10वें मिनट में आशु मौर्य ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। जापान ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। रयूशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर अंतर 2-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा। भारत बढ़त बढ़ाने की कोशिश कर रहा था जबकि जापान बराबरी की तलाश में था।

हाफटाइम तक भारत 2-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी यही सिलसिला जारी रहा। दोनों टीमें नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं।